उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः18 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 01 जून-2026

अंदर के पृष्ठ पर | फर्जी 'आरबीआई अधिकारी' बनकर ठगी करने वाला हाई-प्रोफाइल पति-पत्नी का गिरोह गिरफ्तार 8 | अभिषेक बनर्जी का विरोधः अंडे-जूते फेंके, लात-घूंसे मारने की कोशिश 5

हिमाचल प्रदेश के चंबा में खाई में गिरी छतीसगढ़ के पर्यटकों की गाड़ी आठ की मौत की आशंका

दुर्घटना के बाद से सभी लोग लापता हैं और इनके बचने की उम्मीद न के बराबर

» बीपीएस न्यूज

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में हुए सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के सात पर्यटकों समेत आठ लोगों की मौत की आशंका है। हादसा चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ सड़क पर 29 मई की आधी रात हुआ, जब पर्यटकों को लेकर जा रही एक एर्टिगा कार गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना के बाद से सभी लोग लापता हैं और इनके बचने की उम्मीद न के बराबर है। पुलिस और प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे खोज अभियान के बीच यह स्पष्ट हो गया है कि वाहन में सवार किसी के भी बचने की संभावना नहीं है।पुलिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्य पर्यटन के लिए हिमाचल प्रदेश आए थे। वे चंबा जिला के पर्यटन स्थल डलहौजी में एक होटल में ठहरे हुए थे और 29 मई को साइट सीन के लिए साच पास की ओर निकले। पर्यटकों को वापस उसी होटल में लौटना था, जहां उनकी बुकिंग थी। जब वे देर रात तक वापस नहीं पहुंचे और उनसे संपर्क भी नहीं हो सका तो होटल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की।तलाशी अभियान के दौरान पता चला कि पर्यटकों को लेकर जा रही एर्टिगा कार (एचपी-01सी-2133) बैरागढ़-साच पास-किलाड़ सड़क पर गहरी खाई में गिर गई। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे का स्थान बेहद दुर्गम क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण पुलिस और बचाव दलों को मौके तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है।कार में छत्तीसगढ़ निवासी अरविंद, उनकी पत्नी प्राची, उनके दो बेटे दर्श और अपशद, पी. जी. कार्तिगहेयन, उनकी पत्नी मणिमाला, उनका बेटा नंदन और वाहन चालक विश्वास सवार थे। विश्वास चंबा जिले के डलहौजी क्षेत्र का रहने वाले हैं।पुलिस अधीक्षक चंबा विजय सकलानी ने रविवार को बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दलों को मौके पर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनास्थल अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में है और वहां तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है। सकलानी ने बताया कि वह स्वयं भी घटनास्थल की ओर रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि वाहन गहरी खाई में गिरा है और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। पुलिस और बचाव दल राहत एवं खोज अभियान में जुटे हुए हैं।गौरतलब है कि चंबा जिले में इसी महीने पर्यटकों से जुड़ा यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले 10 मई की रात्रि जिले के भटियात उपमंडल में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में गुजरात के छह पर्यटकों की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसा ककीरा-लाहड़ू मार्ग पर उस समय हुआ था, जब पर्यटकों से भरी एक इनोवा गाड़ी बारिश के बीच अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी। इनोवा में सवार पर्यटक मनाली से डलहौजी की ओर जा रहे थे। दुर्घटना में वाहन कई फीट नीचे खाई में गिर गया था, जिससे छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

सांसद अभिषेक बनर्जी की भर्ती को लेकर बढ़ा विवाद, ममता के वीडियो से सियासी तूफान

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय नया विवाद खड़ा हो गया जब तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती नहीं किए जाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में ममता बनर्जी बेल व्यू क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप टंडन से नाराजगी जताती और अभिषेक बनर्जी को भर्ती नहीं किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करती दिखाई दे रही हैं।

वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि जिस मामले में ममता बनर्जी ने शनिवार रात अस्पताल प्रबंधन पर भाजपा और पुलिस अधिकारियों के दबाव का आरोप लगाया था, उसी मामले में अब वह स्वयं अस्पताल के शीर्ष अधिकारी पर दबाव बनाती नजर आ रही हैं।

भाजपा विधायक तरुण ज्योति तिवारी ने वीडियो साझा करते हुए मुख्यमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी लंबे समय से झूठ की राजनीति करती रही हैं और चुनावी झटकों के बावजूद उनका रवैया नहीं बदला है।जानकारी के अनुसार, सोनारपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई एक घटना के बाद अभिषेक बनर्जी को पहले अपोलो अस्पताल कोलकाता ले जाया गया था। वहां चिकित्सकों ने उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं बताई। इसके बाद उन्हें बेल व्यू क्लिनिक ले जाया गया।शनिवार रात अस्पताल के बाहर मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि बेल व्यू क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप टंडन पर दक्षिण कोलकाता के पुलिस उपायुक्त द्वारा दबाव बनाया जा रहा था और भाजपा के प्रभाव में अभिषेक को भर्ती नहीं किया गया।हालांकि, रविवार को सामने आए वीडियो के बाद भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने पलटवार किया है। विपक्ष का कहना है कि यदि चिकित्सकों ने चिकित्सकीय आधार पर भर्ती की आवश्यकता नहीं समझी, तो अस्पताल प्रशासन पर किसी भी प्रकार का दबाव बनाना उचित नहीं है।इस बीच बेल व्यू क्लिनिक की मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया है कि 38 वर्षीय अभिषेक बनर्जी की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य थी। जांच में किसी गंभीर चोट के संकेत नहीं मिले और केवल छाती पर हल्की चोट का उल्लेख किया गया। चिकित्सकों ने उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं बताई तथा कुछ दिनों तक आराम और दवा लेने की सलाह दी।वीडियो सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। जहां भाजपा मुख्यमंत्री के व्यवहार पर सवाल उठा रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि विपक्ष इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल, अस्पताल प्रबंधन की ओर से विवाद और वायरल वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के मामले में चार गिरफ्तार, कई अन्य से पूछताछ जारी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इलाके के वीडियो फुटेज की जांच के बाद आरोपितों की पहचान कर यह कार्रवाई की गई है। इसके अलावा तीन अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।जानकारी के मुताबिक, शनिवार को अभिषेक बनर्जी विधानसभा चुनाव मतदान के बाद हुई हिंसा में मारे गए एक तृणमूल कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके काफिले पर जूते, अंडे और अन्य वस्तुएं फेंकी गईं तथा 'चोर-चोर' के नारे लगाए गए।स्थिति तनावपूर्ण होने पर अभिषेक बनर्जी ने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहन लिया था। धक्का-मुक्की के दौरान उनकी शर्ट भी फट गई थी। घटना के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सुनियोजित साजिश का हिस्सा था और उनके दौरे की जानकारी पहले से होने के कारण विरोध की तैयारी की गई थी। उन्होंने मामले में कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोनारपुर थाने ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान विभिन्न वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्य एकत्र किए गए, जिनके आधार पर आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपितों को रविवार को बारुईपुर महकमा अदालत में पेश किया जा रहा है।

यूपी में अब मदरसा छात्रों को मिलेगा सम्मान, योगी सरकार का बड़ा फैसला

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार इस साल राज्य मदरसा शिक्षा परिषद की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करेगी। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने रविवार को बताया कि मदरसा बोर्ड की मुंशी/मौलवी (हाईस्कूल के समकक्ष) और आलिम (इंटरमीडिएट के समकक्ष) परीक्षा की मेरिट सूची के शीर्ष 10 छात्र-छात्राओं को लखनऊ बुलाकर सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दोनों ही परीक्षाओं के परिणामों की मेरिट सूची में शामिल शीर्ष तीन छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिया जाएगा और इसके लिए जून के पहले सप्ताह में लखनऊ में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अंसारी ने बताया कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य मदरसा शिक्षा को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी बनाना है, ताकि अल्पसंख्यक समाज के छात्र-छात्राएं मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य बना सकें।

उन्होंने बताया कि दोनों वर्गों के शीर्ष तीन-तीन विद्यार्थियों को टैबलेट दिए जाएंगे ताकि वे अपनी आगे की पढ़ाई और बेहतर ढंग से कर सकें। अंसारी ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है कि अल्पसंख्यक समाज के छात्र आधुनिक शिक्षा से जुड़ें और समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक हाथ में कुरान और एक हाथ में कंप्यूटर विजन को राज्य सरकार जमीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक मदरसा बोर्ड द्वारा घोषित परिणामों के मुताबिक मुंशी/मौलवी की परीक्षा में चंदौली के मोहम्मद वसीम ने पहला, मिर्जापुर के मोहम्मद कासिम अली ने दूसरा और गोरखपुर की शाइमा परवीन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा आलिम वर्ग में शीर्ष तीनों स्थानों पर छात्राओं ने कब्जा जमाया, जिनमें वाराणसी की जुमी फरीन, शाइस्ता परवीन और उम्मुल खैर शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार इसी साल फरवरी में हुई राज्य मदरसा बोर्ड परीक्षा में कुल 80,933 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे जिनमें से 63,211 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया और 55,788 छात्रों ने परीक्षा पास की।

जून में पूरे 11 दिन बंद रहेंगे बैंक

- 07 जून: रविवार (साप्ताहिक अवकाश)
- 13 जून: दूसरा शनिवार (साप्ताहिक अवकाश)
- 14 जून: रविवार (साप्ताहिक अवकाश)
- 21 जून: रविवार (साप्ताहिक अवकाश)
- 27 जून: चौथा शनिवार (साप्ताहिक अवकाश)
- 28 जून: रविवार (साप्ताहिक अवकाश)

» बीपीएस न्यूज

लखनऊः मई का महीना खत्म होने के साथ ही कल से जून की शुरुआत हो रही है। अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो यह खबर आपके लिए बेहद काम की है। जून 2026 में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 11 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा।इन छुट्टियों में चार रविवार, दूसरा व चौथा शनिवार और विभिन्न राज्यों के स्थानीय त्योहार शामिल हैं। हालांकि, बैंकों की शाखाएं बंद रहने के बावजूद ऑनलाइन डिजिटल बैंकिंग, Google Pay, PhonePe, नेट बैंकिंग और एटीएम (ATM) सेवाएं चौबीसों घंटे चालू रहेंगी।राज्यों और त्योहारों के अनुसार स्थानीय छुट्टियां

साप्ताहिक अवकाश के अलावा, जून के महीने में अलग-अलग शहरों में स्थानीय त्योहारों और महापुरुषों की जयंती के मौके पर 5 दिन बैंक बंद रहेंगे। चूंकि कई छुट्टियां केवल विशेष राज्यों या शहरों तक ही सीमित होती हैं, इसलिए अपने शहर के अनुसार ही बैंक जाने की योजना बनाएं। किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए आप अपने पैसों का लेन-देन मोबाइल बैंकिंग या नेट बैंकिंग के जरिए घर बैठे आसानी से कर सकते हैं।

मौत का पुलः रेत, खराब सीमेंट और टूटे पिलर ने खड़े किए सवाल, गार्ड का बड़ा दावा; छह की मौत पर नया मोड़

» बीपीएस न्यूज

हमीरपुर। हमीरपुर में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल हादसे में छह लोगों की मौत के बाद जांच का दायरा अब केवल आंधी-तूफान तक सीमित नहीं रह गया है। दूसरे दिन निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों, निगरानी व्यवस्था और निर्माण प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। घटनास्थल की पड़ताल, प्रत्यक्षदर्शी गार्ड के आरोप और कंपनी के स्टोर यार्ड की स्थिति ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

शनिवार को हमारी टीम ने हादसे वाले स्थल और निर्माण कंपनी के स्टोर यार्ड का निरीक्षण किया। घटनास्थल पर ढहा हुआ कंक्रीट ढांचा, कई जगहों से बाहर निकली सरिया, क्षतिग्रस्त लॉन्चिंग गैंट्री और टूटे पिलर दिखाई दिए। जिस हिस्से के नीचे दबकर छह मजदूरों और कर्मचारियों की मौत हुई थी वहां अब भी भारी मलबा और टूटी संरचना मौजूद है।

हादसे में बचे गार्ड अवधपाल ने निर्माण कार्य को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वह लंबे समय से साइट पर तैनात थे और उनके सामने ही काम चलता रहा। उन्होंने दावा किया कि बेतवा नदी से निकाली गई रेत का इस्तेमाल निर्माण में किया जा रहा था। अवधपाल के अनुसार मजदूरों को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच की कोई जानकारी नहीं दी जाती थी। उन्होंने मांग की कि रेत, सीमेंट और अन्य सामग्री की स्वतंत्र तकनीकी जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

बेतवा नदी पुल हादसे की सूचना मिलने पर शुक्रवार को एडीजी प्रयागराज ज्योति नारायन डीआईजी बांदा के साथ घटनास्थल पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने अफसरों से घटना की जानकारी लेकर निर्माणाधीन पुल का जायजा लिया।

बातचीत में एडीजी ने कहा कि दो गांवों के बीच बेतवा नदी पर 700 मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य चल रहा था। इसमें करीब 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका था। प्रथम दृष्टया यह एक बड़ा हादसा है। दो कॉलमों को जोड़ने के लिए रखा जा रहा भारी स्लैब गिरने से जनहानि हुई है और दो क्रेन भी क्षतिग्रस्त हुई हैं।

धूल भरी आंधी के बाद लखनऊ में झमाझम बारिश

लखनऊ ।राजधानी लखनऊ में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह से ही बादलों की आवाजाही और धूप-छांव का सिलसिला जारी रहा, लेकिन दोपहर बाद घने बादलों ने आसमान को पूरी तरह ढक लिया। हालात ऐसे बने कि दिन में ही अंधेरा छाने लगा। इसके बाद तेज झोंकेदार हवाएं चलनी शुरू हुईं, जिनकी रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। देखते ही देखते धूल भरी आंधी ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया और शाम करीब पांच बजे तेज बारिश शुरू हो गई।

राजधानी में मौसम के इस बदले मिजाज से लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली। तेज हवाओं और बारिश के कारण कई इलाकों में लोगों को दिन में ही वाहन चलाने के लिए लाइटें जलानी पड़ीं। सड़कों पर अचानक अंधेरा और धूल का गुबार छा गया, जिससे कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ।प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी मौसम का यही रंग देखने को मिला। तराई क्षेत्र और एनसीआर से सटे जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। संभल, मुरादाबाद, हाथरस, गोंडा और बलरामपुर में जोरदार बारिश दर्ज की गई। वहीं शाहजहांपुर, फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, अलीगढ़ और बुलंदशहर में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम वर्षा हुई।

अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह में हंगामा, दरोगा के साथ मारपीट

» बीपीएस न्यूज

अलीगढ़ । अलीगढ़ महानगर के सासनी गेट चौराहे पर 31 मई को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह के दौरान उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब ट्रैक्टर से स्टंट करने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने एक दरोगा के साथ मारपीट कर दी।

इस झड़प में दरोगा के हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया, जिसके बाद भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।पुलिस के अनुसार, सासनी गेट चौराहे पर अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था।

इसी दौरान कार्यक्रम में शामिल कुछ युवक ट्रैक्टर से स्टंट करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जब सुरक्षा का हवाला देते हुए स्टंटबाज़ी को रोकने का प्रयास किया, तो वहां मौजूद कुछ कार्यकर्ता और युवक पुलिस से उलझ गए। बहस देखते ही देखते इतनी बढ़ गई कि कुछ लोगों ने ड्यूटी पर तैनात दरोगा के साथ मारपीट कर दी।

अपनी बात....

संपादकीय ....

सिद्धारमैया के इस्तीफे से नए दौर की शुरुआत

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल , 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है।राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है।

माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर निवर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र की राजनीति में भूमिका को स्वीकार करने के लिये दिए गए प्रस्ताव पर अनिच्छा जताने ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। बहरहाल, इसी तरह के अनिर्णय व असमंजस की स्थिति का नुकसान विगत में कांग्रेस कई राज्यों में उठा चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 2018-23 तक पद पर बनाये रखा, जबकि उनके सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव लगातार उन पर दबाव डाल रहे थे। पंजाब में, पार्टी ने साल 2022 के विधानसभा चुनावों से ठीक पांच महीने पहले कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कठोर कदम कांग्रेस को बड़ा झटका दे गया था। कर्नाटक कांग्रेस के लिये दक्षिणी राज्यों में पकड़ बनाने की नीतियों की वजह से एक महत्वपूर्ण राज्य है। विगत में राज्य में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है। यहां पार्टी का मजबूत संगठन मौजूद भी है। बहरहाल, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका यह दांव शिवकुमार और सिद्धारमैया के नेतृत्व वाले गुटों के बीच मतभेद को बढ़ाने वाला साबित न हो। बल्कि मिल-जुलकर पार्टी संगठन को मजबूती देने के प्रयास हों।

पत्रकारिता का सर्वकालिक कर्मपथ प्रदर्शक

हिन्दी पत्रकारिता दिवस

आज से दो सौ साल पहले 30 मई 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार-सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं।

हिंदी पत्रकारिता बिरादरी के लिए आज गर्व और गौरव का दिन है। यह दौ सौ साल का कालखंड हमारे पूर्वजों के अदम्य साहस, संघर्ष, सामाजिक बदलावों की प्रतिबद्धता और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का गवाह है। नई पीढ़ी की पत्रकार बिरादरी के लिए यह आत्ममंथन का समय भी है ताकि आने वाली चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। आज से दो सौ साल पहले 30 मई, 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार-सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई, 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं।

इस समाचार पत्र की आदि प्रतिज्ञा में सर्वकालिक पत्रकारिता का लक्ष्य निहित है। जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था– 'हिन्दुस्तानियों के हित के हेत...!' इस प्रतिज्ञा का गहरे निहितार्थ यही है कि वक्त बदले पर पत्रकारिता का कर्म-पथ यही रहेगा।

निश्चिय ही यदि पत्रकारिता के इतिहास का प्रामाणिक शोधन न होता तो 'उदन्त मार्तण्ड' गुमनामी के कालखंड में ही रह जाता। साल 1931 तक 'बनारस अखबार' 1845 को ही हिंदी का पहला पत्र माना जाता था। इतिहास के शोधन के क्रम में ब्रजेन्द्र नाथ बंधोपाध्याय को राजा राधाकान्त देव के पुस्तकालय में 'उदन्त मार्तण्ड' की फाइल मिली। इससे प्रमाणित हुआ कि 30 मई, 1826 का 'उदन्त मार्तण्ड' ही पहला हिन्दी पत्र है। बनारसी दास चतुर्वेदी ने 'विशाल भारत' 1931 में यह शोध छापा और तब ही देश की पत्रकार बिरादरी को इस महत्वपूर्ण तथ्य का पता चला।

जैसा कि हमारे पूर्वज निजी प्रचार से दूर रहते थे, वैसे ही ऋषिकर्म करने वाले पं. युगलकिशोर जी का कोई फोटो इस समाचारपत्र के दस्तावेजों में नहीं मिला। इतिहास शोधन में भी पं. युगलकिशोर शुक्ल का कोई चित्र नहीं मिला है। केवल अंग्रेजी में उनका हस्ताक्षर मिला है। पर गूगल ने उनके स्थान पर आचार्य शिवपूजन सहाय का चित्र लगा रखा है।पं. युगलकिशोर शुक्ल के प्रथम प्रयास में भी प्रतिरोध के स्वर नजर आए। निस्संदेह, हिन्दी पत्रकारिता मूलतः प्रतिरोध की पत्रकारिता रही है। 14 मार्च, 1878 को लार्ड लिटन ने 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' लाते समय 'मालवा अखबार' और बांग्ला पत्रों का हवाला दिया। लिटन ने कहा 'हर एक दरबार में और मध्यभारत के हर एक बाजार में समाचार पढ़ा जाता है।'इसी क्रम में जनवरी, 1900 में 'सरस्वती' और 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन हुआ। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा, साहित्य और पत्रकारिता को संस्कारित किया। माधवराव सप्रे को हिन्दी नवजागरण का पुरोधा माना जाता है। माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि आज की हिन्दी भाषा का तेज द्विवेदी जी और सप्रे जी का दिया हुआ है। हमारे पूर्वजों में सच को सामने लाने का जज्बा था। इसके लिये वे सब कुछ दांव पर लगाने को तत्पर रहते थे। खोजी पत्रकारिता आपातकाल के बाद नहीं, पहले से थी। 'प्रताप' के 1915-16 के अंकों में निलहे गोरों के अत्याचार की रिपोर्ट छपी। मुंशीगंज और रायबरेली कांड की रिपोर्ट भी 'प्रताप' में छपी। 'कर्मवीर' संपादक माखनलाल चतुर्वेदी खुद घटनास्थल पर गए थे। सार्थक परिभाषा = 'जिसे छापने से रोका जाए, वही खबर है। बाकी सब प्रचार है।'ऐसा नहीं था कि हिंदी पत्रकारिता सिर्फ स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तक ही सक्रिय रही। हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, कूप-मंडूकता के खिलाफ भी बिगुल बजाया। 'प्रताप' 9-11-1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी ने लिखा कि 'हम प्राचीन सभ्यता की प्रशंसा करेंगे पर सामाजिक कुरीतियों को भी उजागर करेंगे, क्योंकि मिथ्याभिमान जातियों के सर्वनाश का कारण होता है।' विद्यार्थी जी मानते थे कि पत्रकार की समाज के प्रति जिम्मेदारी है। वह प्रमाण और परिणाम का विचार रखकर लिखे और अपनी गति-मति में सदैव शुद्ध रहे।

कालांतर हिंदी के प्रबुद्ध संपादकों ने हिन्दी की शब्द संपदा को समृद्ध किया। वर्ष 1920 में 'आज' दैनिक शुरू हुआ। संपादक बाबूराव विष्णु पराडकर ने हिन्दी पत्रकारिता का मानक रूप तय किया। वर्तनी की एकरूपता, अंग्रेजी शब्दों के लिए हिन्दी शब्द गढ़े= मिस्टर-श्री, मिसेज-श्रीमती, ब्लैकआउट-अंधकूप, इंटरनेशनल-अंतर्राष्ट्रीय, डेमोक्रेसी-लोकतंत्र, प्राइम मिनिस्टर-प्रधानमंत्री आदि।

भारतीय चिंतन में आध्यात्मिक धारा की प्रबलता के चलते कालांतर आध्यात्मिक पत्रकारिता का भी विस्तार हुआ। अक्तूबर, 1926 में गीता प्रेस से 'कल्याण' का प्रकाशन आरंभ हुआ। सही मायनों में संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार ने आध्यात्मिक पत्रकारिता का मानक रचा। 'कल्याण' के दो नियम आज भी प्रासंगिक हैं। पहला प्रतिमाह निश्चित तिथि को प्रकाशन हो और दूसरा, अंक में अशुद्धि हो तो उसी अंक में शुद्धिपत्र का प्रकाशन किया जाए।

हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता के ऊंचे मूल्यों व गरिमा के लिए दायित्वों का भी उल्लेख किया। वर्ष 1927 में माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि समाचारपत्र बड़ी ताकत हैं तो उनके सिर जोखिम भी कम नहीं। पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है।निश्चित रूप से नीर-क्षीर विवेक पत्रकारिता का अपरिहार्य गुण माना जाता है। 'समालोचक' पत्रिका के मुख्य पृष्ठ पर श्लोक छपता था– 'नीर-क्षीर विवेके हंसाऽलस्यं त्वमेव तनुषे चेत?। विश्वस्मिन?धुनाऽन्यः कुलव्रतं पालयिष्यतिकः॥' अर्थ = हे हंस! जल-दूध अलग करने में यदि तू आलस्य करेगा तो संसार में कुलव्रत कौन निभाएगा?जनाकांक्षाओं से जुड़ी किसी भी खबर को समाचार पत्र में पर्याप्त स्थान दिया जाना जरूरी होता है। वर्ष 1942 की दिवाली को जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से निकल भागे। प्रेस नोट में उनका नाम था पर ज्यादातर पत्रों ने सिंगल कॉलम में छोटी खबर छापी। 'विश्वमित्र' के संपादक सत्यदेव विद्यालंकार ने पहले पेज पर मुख्य बैनर बनाया– 'जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग निकले!' हिंदी पत्रकारिता की परंपरा में लोकचेतना का भरपूर विकास भी हुआ। हिन्दी पत्रकारिता ने दो बड़े काम किए– पहला, देश-दुनिया में दिलचस्पी लेने वाला एक बड़ा पाठक वर्ग तैयार किया। दूसरा भारतीय भाषाओं को साफ-सुथरी गद्य परंपरा दी। तब साहित्य और पत्रकारिता की सीमाएं मिली-जुली थीं। भाषा की कसौटी को लेकर भवानीप्रसाद मिश्र जी की टिप्पणी सारगर्भित व मार्गदर्शक है। मिश्र जी ने लिखा– 'जिस तरह हम बोलते हैं उस तरह तू लिख, और इसके बाद भी हमसे बड़ा तू दिख।'

यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि हिंदी पत्रकारिता के विकास में हिन्दीतर भाषी मनीषियों का महत्वपूर्ण अवदान रहा है। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, बंकिमचन्द्र चटर्जी, अमृतलाल चक्रवर्ती जैसे गैर-हिन्दी भाषियों का हिन्दी पत्रकारिता में बड़ा योगदान है।देश के जनमानस को सत्य व तथ्य से अवगत कराने के लिए पत्रकारों ने बड़ी कीमत भी चुकाई। प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर आपातकाल और सेंसरशिप का डटकर मुकाबला किया। देश में 25/26 जून, 1975 की रात आपातकाल लगा।

करोड़ों नौनिहाल बच्चे जो सीबीएससी बोर्ड के स्कूल लूट रहे उसका जिम्मेदार कौन !

क्या देश को दलाली के दलदल से निजात दिलाएंगे दल..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित करने का दावा तो करती रही पर भ्रष्टाचार चरम पर रहा है। सरकारी ऑफिसो में आउटसोर्सिंग दलाल रखकर घूस लेने की नई व्यवस्था लागू है। आजकल ऑफिस में पांच हजार के वेतन पर टेबल के नीचे से घूस का पैसा पकड़ने वाले कर्मचारी रखें जा रहे। शिक्षा विभाग तो इस मामले में आंकठ तक डूबा है।लगता है इस बार मोटी माल स्तर तक नहीं पहुंची तभी मामला मिडिया तक गया और मिडिया वाले बेचारे नाराज हो गए और राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री कार्यालय के दबाव में जाँच करवाए और अंततः परीक्षा रद्द करनी पड़ी। खैर ये सब तो बड़ी परीक्षाएं प्रोफेसर और डॉ बनाने वाली है जहां से देश का भविष्य दांव पर लगा कर नेता और विभाग की मोटी कमाई हो रही है तो मंत्री जी लुट की छूट सबको दिए हुए हैं।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि देश के करोड़ों नौनिहाल बच्चे जो सीबीएससी बोर्ड के स्कूल लूट रहे उसका जिम्मेदार कौन ! इस बोर्ड से मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में 90+ मार्क देते है आखिर उनके भविष्य से खेलने के लिए शिक्षा मंत्रालय को मोटा माल पहुँचाया जाता है। आखिर शिक्षा मंत्रालय ने करप्शन पर कौन सा ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाया जिसके तहत लगभग 100 साल पुरानी सीबीएससी बोर्ड एक झटके में दुनिया के सामने बदनाम कर हो रही ! सीबीएसई के लगभग सौ वर्षों के इतिहास में ऐसी घटिया स्कूली परीक्षाए कभी आयोजित नहीं होती थी जिसमें देश के करोड़ों नौनिहाल बच्चों के भविष्य को ही बर्बाद कर दिया हो।प्रधानमंत्री मोदी को ये विषय मन की बात में शामिल करनी ही चाहिए की सीबीएसई स्कूलों पर नकेल क्यों नहीं शिक्षा मंत्रालय का ! क्यों सेम ड्रेस कोड नहीं ! क्यों सेम सिलेबस और सेम फी स्ट्रक्चर नहीं ! राजनीति का नहीं अपितु देश के करोड़ों नौनिहाल बच्चों के भविष्य का है, ऐसी लापरवाही का मूल्य यह देश नहीं चुका सकता। बीएसए ऑफिस ऐसे भ्रष्टाचार का बड़ा केंद्र है। पुलिस और ट्रैफिक वसूली कर्मचारी तो इसी दावे के बल पर सरकार चलवा रहे।देश में गाय बचाने और हिंदू बहुजनो के अस्तित्व को बचाने के लिये ब्राह्मणो को निर्णायक तौर पर लडने को कहा जाता रहा है। कल तक दहशत मे रहेने वाले हिंदू बहुजन युवा आज ब्राह्मणवाद के खिलाफ ही खड़े होकर निर्णायक लडाई लड रहे। और झूठे बौद्धवाद के अनुसार पिछले पांच हजार सालो से लडते ही आ रहे है।राजकुमार भाटी जैसी विचारधारा, सत्ता पर , संस्थाओ पर , अदालत पर अपना कब्जा जमाकर बैठे है। भाजपा जिस नैतिकता , सुशासन और पारदर्शिता की बात करती है और करप्शन पर जिस जीरो टॉलरेंस की बात करती है उस दावे की धज्जियां शिक्षा मंत्रालय उड़ा रही है जिसमें विभागीय अधिकारीयों का सीधे हस्तक्षेप माना जा रहा है। शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी जब से संघ वाले धर्मेंद्र प्रधान संभाल रहे है तब से ही यह मंत्रालय विवादों का अड्डा बना हुआ है।

देश के सभी विश्व विद्यालयों में कट्टर आरएसएस प्रचारकों की वीसी के रूप में नियुक्ति हो या एनसीआरटी की किताबों में आधे से ज्यादा भारत पर मुगलो के शासन का फर्जी दावा तो पहले से ही विवाद का मुद्दा बना ही हुआ है लेकिन करप्शन में तो शिक्षा ने नया इतिहास ही बना डाला है। जब से धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा मंत्री बने है देश में एक भी परीक्षाए साफ सुथरी और पारदर्शी तरीके से नहीं हो रही है पिछले वर्ष यूजीसी नेट की परीक्षा हो या लगातार दूसरे वर्ष नीट की परीक्षा सभी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक हो जा रहे हैं और मजे कि बात है कि सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगते है। क्या आपको लगता है कि धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लिया जाएगा ? नहीं, बिल्कुल भी नहीं क्योंकि यूजीसी जैसे मुद्दे और व्यवस्था में इस्तीफा नहीं लिया गया तो अब क्यों ! नीट और यूजीसी नेट जैसी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक का विरोध कर रहे बच्चों की सीधी लड़ाई उसी संघ के अवतार से है जिसे सर्वश्रेष्ठ धर्मेंद्र प्रधान कहते है तो उसके पराजित होने का प्रश्न ही नहीं उठता। यह सर्वविदित है कि हरेक गैर-कानूनी धंधे में धन कद्दू कटता है और सब में बँटता है। वैसे भी जिसके खून में व्यापार हो तो धन उसे सर्वाधिक प्रिय होता ही है। कमाऊ पूत सबका प्यारा। अब जब पेपर लीक अरबों रुपए का धंधा है तो अपने धंधे को कोई भी समझदार व्यापारी खराब नहीं करता।

अब अगर मान ले जन-दबाव से जो हार मान ले, वह शिक्षा मंत्री कैसा तो पिछले वर्ष देश ने देखा कि कैसे मीडिया और सोशल मीडिया में खबरें चली की नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र 30-40 लाख में एक एक पेपर बेचा गया, मेधावी छात्र छात्राएं सड़को पर उतरे, कोर्ट गए मगर गूंगे और बहरे शिक्षा मंत्रालय के कान तक जूं तक नहीं रेंगी और मिडिया हंगामें के अनुसार सारे अयोग्य और पैसे से पेपर खरीदने वाले छात्रों का दाखिला देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में हो भी गया। वैसे भी इस देश में कोई भी यूनिवर्सिटी ऐसी नहीं है जो विश्व की बेहतरीन 50 विश्व विद्यालयों में शुमार हो, हमारी उच्च शिक्षा जो सीधे सरकार के नियंत्रण में है वह तो गर्त में जा ही चुकी है कम से कम सीबीएसई बोर्ड जिसके अन्तर्गत करोड़ों बच्चे जो निजी विद्यालयों में लाखों रुपए की फीस देकर पढ़ते हैं और परीक्षा देते हैं उनके भविष्य को भी ऐसे नहीं रौंद दिजिए कि इस देश की शिक्षा व्यवस्था से ही जन मानस का विश्वास उठ जाए।

इससे पहले कि देश के छात्र, युवा और नौजवान इस शिक्षा मंत्री के विरुद्ध सड़कों पर उतरने को मजबूर हो जाएं और एक बार फिर देश में इंडिया अगेंस्ट करप्शन की तर्ज पर आंदोलन शुरू हो जाए आप यथा शीघ्र घूसखोर बाबुओ को सरकारी ऑफिसो से बाहर का रास्ता दिखाएं। यह राजनीति का अहम हिस्सा है कि कार्यवाही अब आगे इस तरह से पैर पसारेगा। किसको बेगुनाह छोड़ा जाएगा, यह देखना दिलचस्प है। बेरोजगारी और लूट पर चुप रही कांग्रेस से निपटने के लिए देश के युवा कार्यकर्ता भी बीजेपी का साथ देंगे और अगली बार फिर भगवा लहरायेगा, वैसे भी कांग्रेस में संघ के लोग ही होते है जो कांग्रेस को निपटाकर बीजेपी में चले जाते है। अगर कांग्रेस चाहती है तो उसे सत्ता मोह त्यागकर कांग्रेसी विचारधारा से पार्टी का पुनर्गठन करना चाहिए और क्षेत्रीय दलों के साथ पूरे भारत में खुले मन से गठबंधन करके ही बीजेपी को आरक्षण और बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के मुद्दों से हराया जा सकता है।

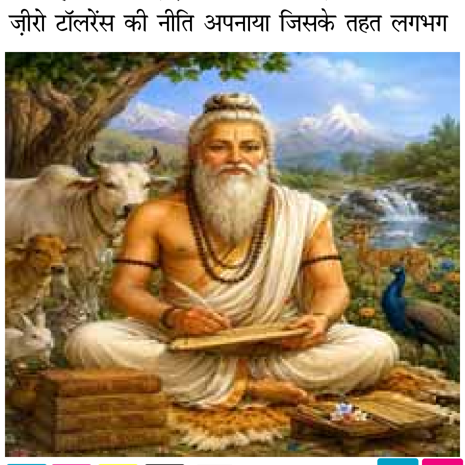

प्राकृति से सह-अस्तित्व का वैदिक जीवन-संदेश

महर्षि कश्यप का चिंतन मानव, प्रकृति और समस्त जीवों के बीच गहरे संबंध, सह-अस्तित्व, पर्यावरणीय संतुलन और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश देता है, जो आज के पर्यावरण संकट में अत्यंत प्रासंगिक बन चुका है।महर्षि कश्यप वैदिक परंपरा में एक बहुत बड़ा नाम हैं, जिन्हें सप्तऋषियों में से एक माना जाता है—वे सात महान ऋषि, जिनकी बुद्धि ने भारतीय चिंतन और संस्कृति की दिशा को गहराई से प्रभावित किया। ऋग्वेद और पुराणों की हज़ारों वर्ष पुरानी शिक्षाओं में निहित उनकी दार्शनिक दृष्टि केवल रीति-रिवाजों और वंश-परंपरा तक सीमित नहीं है। इसके विपरीत, वे एकता, पारिस्थितिक संतुलन, सामंजस्य और सभी जीवों के कल्याण के प्रति दृढ़ नैतिक प्रतिबद्धता पर आधारित विचारों की समृद्ध परंपरा प्रस्तुत करते हैं।महर्षि कश्यप की दार्शनिक संरचना के केंद्र में 'वसुधैव कुटुम्बकम?' का शक्तिशाली और दूरदर्शी सिद्धांत है, जो पूरी दुनिया को एक परस्पर जुड़े परिवार के रूप में देखता है। हज़ारों वर्ष पूर्व प्रतिपादित यह शाश्वत विचार सभी प्रकार के जीवों—मनुष्यों, पशुओं, पक्षियों और यहां तक कि प्रकृति की मूल शक्तियों—के बीच के गहरे संबंधों को स्पष्ट करता है। 'प्रजापति' अर्थात? 'सभी जीवों के पिता' माने जाने वाले कश्यप ने यह प्रतिपादित किया कि जीवन की यह अद्भुत विविधता एक ही दिव्य स्रोत से उत्पन्न हुई है। यह मूल दृष्टिकोण सभी जीवों को जोड़ने वाले गहरे संबंध को पुष्ट करता है।वर्तमान समय में यह दृष्टि आधुनिक 'डीप इकोलॉजी' के सिद्धांतों से साम्य रखती है, जो मानते हैं कि किसी एक तत्व का अति-दोहन पूरे पारिस्थितिक तंत्र की एकता है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

गैंजेस क्लब में हिंदी पत्रिकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर गोष्ठी और पत्रकारों का सम्मान समारोह हुआ संपन्न

» पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड और इलाज के पुख्ता इंतज़ाम होंगे : बृजेश पाठक

देश की मजबूती और विकास के लिए लोकतंत्र के चारो स्तंभों की अहम जिम्मेदारी है : सतीश महाना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब की ओर से हिंदी पत्रिकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर गोष्ठी और पत्रकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारिता की चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।
गैंजेस क्लब में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कानपुर के जुगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से पहला हिंदी अख़बार निकाला और तब से अब तक यह शहर पत्रकारिता का केंद्र बिंदु बना हुआ है। यहां के पत्रकार पूरे देश में छाए हैं। एआई के युग में पत्रकारों को सतर्क रहना बेहद आवश्यक है।
उदाहरण देते हुए बताया कि सतर्क न रहे तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। एआई तो उतना ही लिखेगा, जितना डाटा उसके भीतर है। ख़बर में संवेदना, मूल भावना और वंचितों की आवाज तो पत्रकार ही लिख सकते हैं। साथ ही बताया कि पत्रकारों के इलाज की सरकारी अस्पतालों में व्यवस्था है और किसी को कभी भी ज़रूरत हो तो उन्हें फ़ोन कर सकता है। सरकार मान्यता प्राप्त पत्रकारों को आयुष्मान योजना से जोड़ रही है ।
और बाकी सभी के लिए ऊपर तक प्रस्ताव भेज दिया है।
समारोह की अध्यक्षता कर रहे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि एक ज़माने में पत्रकारिता मिशन थी, लेकिन अब खासा परिवर्तन आया है। अहम संस्थाओं को बचाना सबकी जिम्मेदारी है। देश और लोकतंत्र की मजबूती के लिए चारो स्तंभों (कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका और पत्रकार) की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक भी स्तंभ दरका तो लोकतंत्र पर असर होगा।
सांसद रमेश अवस्थी ने कानपुर की पत्रकारिता के वैभव, सेवा और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सतीश महाना से अनुरोध किया कि विधानसभा में पत्रकार शिरोमणि गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा स्थापित करवाएं। महाना ने तत्काल घोषणा की कि विधानसभा की डिजिटल गैलरी में विद्यार्थी जी का चित्र ज़रूर लगेगा। वरिष्ठ पत्रकार सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने आशीर्वाद दिया। उद्योगपति विजय कपूर ने अथितियों का स्वागत किया।
प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस वाजपेई और महामंत्री शैलेश अवस्थी ने आभार व्यक्त किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार रमेश वर्मा और आस्था तिवारी ने किया ।
इस मौके पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत, मंत्री मोहित दुबे, शिवराज साहू, कोषाध्यक्ष सुनील साहू, दीपक सिंह, गगन पाठक, रोहित निगम, उत्सव शुक्ला, अमन चतुर्वेदी, मयंक मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। इसके पहले भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, ज़िलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, शिवांग मिश्रा और अनूप अवस्थी ने अगतुकों का स्वागत किया।

इन पत्रकारों का सम्मान हुआ

ब्रजेश पाठक, सतीश महाना और रमेश अवस्थी ने वरिष्ठ पत्रकार राजीव सिंह (हाईपर लोकल हेड डिजिटल अमर उजाला दिल्ली), विजय त्रिपाठी (कार्यकारी संपादक अमर उजाला लखनऊ), राजकिशोर (संपादक अमर उजाला दिल्ली), अंकित शुक्ला (समूह संपादक प्रभात खबर), पंकज निगम (संस्थापक सीडब्लूएन न्यूज), संजय त्रिपाठी (नेशनल हेड प्राइम न्यूज), आदित्य द्विवेदी (विशेष संवाददाता भारत जन एक्सप्रेस न्यूज), ऋषभ मणि त्रिपाठी (न्यूज 18 लखनऊ), रतीश त्रिवेदी (राजनीतिक संपादक डेली हंट) को सम्मानपत्र, प्रतीकचिन्ह भेंट कर और शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया।

हजारों श्रृद्धालुओं ने गंगा दशहरा पर गंगा में लगाई डुबकी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जेष्ठ मास के शुक्लपक्ष की दशमी को गंगा दशहरा मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार इसी दिन मां गंगा का पृथ्वि पर अवतरण हुआ था। सोमवार को सुबह से ही बिठूर सहित कानपुर के सभी घाटों में श्रृद्धालुओं ने मां गंगा के जल में डुबकी लगाई, आरती कर आर्शीवाद प्राप्त किया।
सोमवार को गंगा दशहरा के अवसर पर कानपुर के एतिहासिक व धार्मिक नगरी बिठूर से लेकर कानपुर के रानीघाट, मेग्जीन घाट, गुप्तार घाट, परमट घाट, गोला घाट से सरसौल के ड्योढी घाट तक श्रृद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई।
इस दौरान स्थानीय प्रशासन द्वारा सभी सुविधाओं को पहले से ही पूरा कर लिया गया था। गंगा दशहरा के पावन महापर्व पर बिठूर तीर्थ के गंगा घाटों पर हर हर गंगे हर हर महादेव के जयकारों की रही गूंज सीता घाट लक्ष्मण घाट भैरव घाट पत्थर घाट गोदारा घाट तुलसी घाट महिला घाट गंऊ घाट रामघाट लक्ष्मण घाट सहित अन्य घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में लगाई।
आस्था की डुबकी और जन सैलाब गंगाजकी के प्रति हिंदू संस्कृति जैसे आभार प्रकट कर रहा हो।वही पीएसी बल व पुलिस स्टीमरों से करती रही गस्त सुरक्षा की दृष्टि से हर चौराहा पर बैरिकेडिंग व पुलिस प्रशासन र तैनात रहा। दो किलोमीटर की रास्ता तय कर गंगा तट तक पहुंचे श्रद्धालु मां गंगा में महापर्व दशहरा के अवसर पर लगाई मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा अर्चना व दान दक्षिणा की।

पानी की टंकी पर चढा नशेबाज पुलिस व इलाकाई लोग रहे परेशान

कानपुर। पानी की 50 फुट ऊंची टंकी पर एक नशेबाज ने चढकर खूब हंगामा किया। क्षेत्रीय लोगों ने जब एक व्यक्ति को पानी की टंकी पर चढा देखा तो क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गयी। कई लोग टंकी के पास एकत्र हो गये और नशोबाज को समझाने का प्रयास करने लगे। इसी बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर नशेबाज ने कूदने की धमकी दी।
बर्रा थाना खेत्र के जरौली फेस-1 में बनी पानी की 50 फिट ऊंची टंकी पर एक नशेबाज चढ गया और खूब हंगामा किया। घटना की बाबत थाना बर्रा इंस्पेक्टर रवीन्द्र श्रीवास्तव ने बताय कि उन्हे 112 डायल के मध्यम से सूचना मिली थी, जिसके बाद वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और नशेबाज को समझाबुझा कर उतारने के प्रयास किया लेकिन पुलिस को देखते ही नशेबाज कूदने की धमकी देने लगा। वहीं वह ऐसा क्यों कर रहा है इस बारे में भी उसने नही बताया। फायर बिग्रेड को बुलाया गया तथा उसे नीचे उतारने का प्रयास किया गया।

अतिक्रमणकारियों के बढ़ते हौसले के आगे झुका नगर निगम, नहीं बन पाया यूरिनल

नगर विकास मंत्री के निर्देश भी बेअसर, टीम बैरंग लौटी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविन्द नगर के नंदलाल चौराहे पर सार्वजनिक यूरिनल निर्माण का मामला अब नगर निगम की कार्यशैली और अतिक्रमणकारियों के बढ़ते हौसलों पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। वर्षों से यूरिनल न होने के कारण स्थानीय व्यापारियों, राहगीरों और विशेषकर महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन नगर निगम अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर सका है।
क्षेत्रीय व्यापारियों और गोबिन्द नगर व्यापार मंडल द्वारा दर्जनों ढ्ढ्ढ्र शिकायतों के साथ-साथ नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा को भी शिकायत भेजी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंत्री जी ने स्वयं नगर आयुक्त, कानपुर को सार्वजनिक यूरिनल निर्माण हेतु शिकायत मार्क कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद धरातल पर हालात जस के तस बने हुए हैं।
बुधवार को नगर निगम की टीम जोन-5 जलकल कार्यालय के बाहर यूरिनल निर्माण की तैयारी के लिए पहुंची, लेकिन अतिक्रमणकारियों के विरोध के आगे पूरी कार्रवाई ठप हो गई। बताया गया कि नगर निगम के सुपरवाइजर कमलेश ने जलकल विभाग की बाउंड्री के बाहर अवैध रूप से कूलर स्टैंड रखकर नगर निगम की जमीन पर कब्जा किए दुकानदार से अतिक्रमण हटाने को कहा। इस पर कब्जेदार ने उल्टा नगर निगम कर्मियों से इस अंदाज में सवाल-जवाब शुरू कर दिया मानो उक्त सरकारी जमीन उसी की निजी संपत्ति हो। उसने साफ तौर पर अतिक्रमण हटाने से इनकार कर दिया।
हैरानी की बात यह रही कि नगर निगम की टीम सरकारी जमीन से कब्जा हटवाने की बजाय बिना कोई कार्रवाई किए वापस लौट गई। परिणामस्वरूप प्रस्तावित यूरिनल का निर्माण फिर अधर में लटक गया। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि दो वर्ष पूर्व कथित नाला निर्माण के नाम पर यहां बने पुरुष एवं महिला यूरिनल तोड़ दिए गए थे, लेकिन आज तक न तो नाला बना और न ही यूरिनल का पुनर्निर्माण कराया गया। इस बीच खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे भी शुरू हो गए।
वरिष्ठ भाजपा नेता एवं गोबिन्द नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रकाश वीर आर्य एवं अन्य व्यापारियों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब नगर विकास मंत्री तक मामले में निर्देश दे चुके हैं, उसके बाद भी यदि नगर निगम अपनी जमीन कब्जामुक्त नहीं करा पा रहा, तो यह प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पहले बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया जाए, तभी वहां सार्वजनिक यूरिनल का निर्माण संभव हो सकेगा।
स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम लगातार ÷वित्तीय संसाधनों÷ का बहाना बनाकर मामले को टालता रहा, जबकि असली बाधा अब अतिक्रमण और प्रशासनिक ढिलाई बन चुकी है। क्षेत्रीय व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

हाईवे पर चला सघन चेकिंग अभियान, नियम तोड़कर वाहन चलाने वालों पर देर रात प्रशासन ने की सख्त कार्यवाही

» ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट वाले वाहन निशाने पर, 11.25 लाख रुपये शमन शुल्क वसूला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हाईवे पर नियम तोड़कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ गुरुवार देर रात प्रशासन का सख्त अभियान देखने को मिला। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर नरवल क्षेत्र में राजस्व, पुलिस, परिवहन और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने हाईवे पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान ओवरलोड, बिना नंबर प्लेट और नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 151 वाहनों का चालान किया गया तथा 11 लाख 25 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया।
रात में चले इस संयुक्त अभियान के दौरान टीम ने हाईवे पर गुजर रहे वाहनों की गहन जांच की। बिना नंबर प्लेट चल रहे वाहन, अनधिकृत रूप से संचालित वाहन, ओवरलोड वाहन तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई। कई वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक भी किया गया।
अभियान में परिवहन विभाग ने 95 वाहनों का चालान कर 8 लाख 47 हजार रुपये, पुलिस विभाग ने 52 वाहनों का चालान कर 78 हजार 500 रुपये तथा खनन विभाग ने 4 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 2 लाख रुपये शमन शुल्क वसूला। कुल मिलाकर 151 चालान किए गए और 11 लाख 25 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया।
जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद में तहसीलवार संयुक्त प्रवर्तन टीमों का गठन किया है। इसी क्रम में विभिन्न क्षेत्रों में नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं।
अभियान का नेतृत्व उप जिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने किया। इस दौरान एसीपी चकेरी अभिषेक पांडे, परिवहन विभाग से मानवेंद्र प्रताप सिंह, जिला खनन अधिकारी पारसनाथ, नायब तहसीलदार आशीष पटेल, राजस्व विभाग की टीम तथा पुलिस बल मौजूद रहा।उप जिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। ओवरलोडिंग, बिना नंबर प्लेट और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार अभियान जारी रहेंगे।

सिम कार्ड सक्रिय कर उपलब्ध कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 05 अभियुक्तों किया गया गिरफ्तार

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर की साइबर क्राइम सेल पश्चिम जोन एवं थाना पनकी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में साइबर ठगी के लिए फर्जी फर्मों के माध्यम से सिम कार्ड सक्रिय कर उपलब्ध कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।
अभियुक्त फर्जी फर्मों के जरिए हजारों सिम कार्ड प्राप्त कर उन्हें सक्रिय कराते थे तथा विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं नामचीन कंपनियों के नाम का दुरुपयोग कर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। जांच में एनसीआरपी पोर्टल पर विभिन्न राज्यों से प्राप्त शिकायतों में लगभग 36 लाख रुपये की साइबर ठगी प्रकाश में आई है।
पुलिस द्वारा अभियुक्तों के कब्जे से 08 लैपटॉप, 50 मोबाइल फोन, 12,383 सिम कार्ड, 40 एटीएम कार्ड सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अवैध परिवहन के खिलाफ संयुक्त टीम द्वारा घाटमपुर-हमीरपुर हाईवे पर चलाया गया विशेष चेकिंग अभियान

» अभियान में 106 वाहनों पर की गयी कार्रवाई, 6.47 लाख रुपये का लगाया गया जुर्माना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार देर रात्रि घाटमपुर तहसील क्षेत्र में सड़क सुरक्षा एवं अवैध परिवहन के खिलाफ संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में राजस्व, पुलिस, परिवहन एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम ने थाना सजेती क्षेत्र के आनूपुर-बरिपाल मोड़ तथा घाटमपुर-हमीरपुर हाईवे पर विशेष चेकिंग अभियान संचालित किया।
अभियान के दौरान पुलिस द्वारा मोटर वाहन अधिनियम के तहत 98 वाहनों का चालान किया गया। वहीं एआरटीओ एवं खनन विभाग की कार्रवाई में 8 वाहनों को सीज करते हुए 6 लाख 47 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।
कुल मिलाकर 106 वाहनों पर प्रवर्तन कार्रवाई की गई।एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन, ओवरलोडिंग तथा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।
उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने वाहन चालकों से वैध अभिलेखों के साथ ही सुरक्षित एवं जिम्मेदार तरीके से वाहन संचालन करने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद मार्बल व्यापारियों ने पेट्रोल, डीजल बचाने को साइकिल चलाकर दिया संदेश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। देश हित में मार्बल टाइल के व्यापारियों ने कहा कि छोटे छोटे काम अब साइकिल के माध्यम से निपटाए जाएंगे। भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद मार्वल व्यापारियों ने भी निर्णय लिया है कि पेट्रोल डीजल की बचत करेंगे। उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल व्यापारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार गौड़ के नेतृत्व में किदवई नगर मार्बल मार्केट में मार्बल टाइल्स के व्यापारियों ने साइकिल चलाकर संदेश दिया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी कानपुर दक्षिण के जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह ने व्यापारियों के साथ साइकिल चलाई एवं संदेश दिया कि हम सभी देश हित के लिए सदैव एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। मैं स्वयं भी एक व्यापारी हूं।जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार गौड़, अशोक शुक्ला प्रदेश चैयरमैन, आशुतोष दीक्षित प्रदेश वरिष्ठ व्यापारी संरक्षक, अनूप गुप्ता उर्फ सोनू, आशीष गुप्ता प्रदेश कोषाध्यक्ष, पीयूष दाधीच प्रदेश मंत्री, मोनू गुप्ता प्रदेश कोषाध्यक्ष, प्रखर शुक्ला, प्रशांत मिश्रा, मोहम्मद कैफ, राजीव कुमार, सुमित गुप्ता, प्रखर गुप्ता, विनोद शुक्ला, सोनू तिवारी, विजय कुमार सिंह, प्रवीण गुप्ता, कृष्ण गुप्ता अर्पित गुप्ता, प्रशांत श्रीवास्तव, राजेश पाल बेन आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी के बीच बर्रा पुलिस द्वारा किया गया शरबत वितरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान सड़क पर निकल रहे राहगीरों व आम जनमानस को राहत पहुंचाने के लिए विशेष शरबत एवं ठंडा पानी वितरण अभियान चलाया गया।
इस दौरान समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान भी मौके पर मौजूद रहे। बर्रा इंस्पेक्टर और संतोष सिंह चौहान ने स्वयं लोगों को शरबत और ठंडा पानी वितरित कर सेवा का संदेश दिया। थाने का पूरा पुलिस स्टाफ भी इस जनसेवा अभियान में शामिल रहा।
भीषण गर्मी में पुलिस और समाजसेवी संस्था की इस पहल को लोगों ने खूब सराहा। राहगीरों ने कहा कि पुलिस का यह मानवीय चेहरा लोगों के दिल जीतने वाला है। सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का यह प्रयास पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

यशोदा नगर बाईपास पर दबंगों ने सरेराह चाकू से गोदकर पिता और पुत्र का किया बेरहमी से कत्ल

» सड़क पर हुई मामूली बाइक की टक्कर होने से शुरू हुआ था विवाद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में रविवार, 24 मई को दबंगों ने मामूली विवाद के चलते खूनी खेल खेला। दबंगों ने सरेराह चाकू से गोदकर पिता और बेटे की हत्या कर दी। डबल मर्डर की जानकारी मिलते एक्शन में आई पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर ही हत्यारोपितों को दबोच लिया।

पुलिस ने घटना के दो घंटे बाद ही आरोपी शिव वर्मा और उत्सव अवस्थी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि तीसरे आरोपी करण वर्मा को देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि पुलिस को देखते ही करण ने पहले फायरिंग शुरू कर दी। ऐसे में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में करण के दोनों पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे धर दबोचा गया। घायल आरोपी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।दरअसल, कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में रविवार की रात सड़क पर हुई मामूली बाइक टक्कर खूनी वारदात में बदल गई। यशोदा नगर बाईपास के नजदीक हुए विवाद में दबंगों ने पिता और उनके दो बेटों पर चाकू और हेलमेट से हमला कर दिया। इस हमले में पिता और एक बेटे की मौत हो गई जबकि दूसरे बेटे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे के दौरान का वीडियो भी सामने आया है जो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि बाप-बेटे की अपाचे और एक अन्य बाइक की आपस में मामूली टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गई।वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि आरोपियों ने पहले हेलमेट से हमला किया और फिर लात-घूंसे भी बरसाए। इसके बाद ईंट और चाकू से भी ताबड़तोड़ वार किया। इस हमले में पिता और दोनों बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों सड़क पर गिरकर दर्द से तड़पने लगे।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नौबस्ता पुलिस ने तीनों घायलों को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद पिता (शिव नारायण) और एक बेटे (शिवम) की मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों के चेहरे, सीने और पेट पर कई वार के निशान हैं। वहीं दूसरे घायल बेटे (सत्यम) का इलाज चल रहा है। सत्यम की पीठ, पेट और हाथ पर चाकू के वार हैं।

शिव नारायण और शिवम की हत्या के बाद घर में मातम पसरा हुआ है। घरवालों ने बताया कि तीनों किदवई नगर स्थित कनक मार्बल में नौकरी करते थे। रविवार की रात काम से घर लौट रहे थे, तभी ये घटना हो गई।

मूक-बधिर युवक से हुई लूट की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया खुलासा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बीते दिनों मुकबधिर युवक के साथ छिनैती (लूट) की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को रेलबाजार थाना प्रभारी अमान सिंह ने सहयोगी पुलिस टीम की मदद से मूक-बधिर युवक से हुई लूट की घटना का 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए आरोपी ऑटो चालक को धर दबोचा।

रेलबाजार पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटे गए 2700 रुपये, पीड़ित की अटैची, कपड़े, सुनने की मशीन तथा घटना में प्रयुक्त ऑटो बरामद किया है। पीड़ित दीपक कुमार निवासी कल्याणपुर के साथ 13 मई को लूट की घटना हुई थी। मामले में उसकी बहन नीलम देवी ने 24 मई को रेलबाजार थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।प्रभारी निरीक्षक अमान सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सीओडी पुल के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी मुकीम निवासी बेगमपुरवा, बाबूपुरवा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश कर सलाखों का रास्ता दिखाया।

दो बंद मकानों के ताले टूटे लाखों के जेवर चोरी

» बीपीएस न्यूज

सौरिख/कन्नौज। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि बीती रात में दो बंद मकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए गए। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।थाना क्षेत्र के गांव नेकपुर नादेमउ निवासी मधु देवी पत्नी सोनू चौहान वर्तमान समय में सौरिख में तिर्वा रोड पर मकान बनाकर रह रही थी। शुक्रवार को मधु देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह दिनांक 22 मई 2026 को अपनी बहन के घर भिंड मध्य प्रदेश गई हुई थीं। घर पर ताला लगा हुआ था।

गुरुवार दोपहर घर वापस लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखा सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर घर में रखी सोने की चेन, हार, झुमकी, मंगलसूत्र, अंगूठियां, पायल समेत लाखों रुपये कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। मधु देवी ने बताया कि उनकी बहन के भी जेवर उनके घर में रखे थे, जिन्हें भी चोर उठा ले गए।

इसी रात पड़ोस में रहने वाली मीरा देवी पत्नी नवनीत सिंह बंद मकान को भी चोरों ने निशाना बनाया। मकान का ताला तोड़कर वहां से भी सोने-चांदी के कीमती जेवर चोरी कर लिए गए। लगातार दो घरों में चोरी की वारदात से ग्रामीणों में भय और आक्रोश व्याप्त है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए साक्ष्य जुटाए।

अदालत ने खारिज की याचिका, अवनीश दीक्षित को बड़ा झटका, करोड़ो की कुर्क संपत्ति नहीं मिलेगी वापस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल जा चुके पत्रकार अवनीश दीक्षित को अदालत से बहुत बड़ा झटका लगा है विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) निशा श्रीवास्तव की अदालत ने पुलिस कमिश्नर द्वारा जारी किए गए संपत्ति कुर्की के आदेश को पूरी तरह वैध ठहराते हुए अवनीश दीक्षित की याचिका को खारिज कर दिया है।

इस फैसले के बाद अब अवनीश को मकान, फॉर्च्यूनर कार समेत करोड़ों रुपये की कुर्क की गई संपत्ति वापस नहीं मिल सकेगी। नजूल की जमीन पर अवैध कब्जा करने, रंगदारी वसूलने और गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई का सामना कर रहे अवनीश दीक्षित ने जेल से रिहा होने के बाद एक याचिका दायर की थी इस याचिका में उसने 29 सितंबर 2025 को पुलिस प्रशासन द्वारा जारी किए गए संपत्ति कुर्की के आदेश को निरस्त करने की मांग की थी। अदालत में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं- अवनीश दीक्षित के वकील ने दलील दी कि अपराध सिद्ध हुए बिना किसी की

संपत्ति कुर्क नहीं की जा सकती उन्होंने दावा किया कि किदवई नगर स्थित मकान अवनीश की पत्नी के फ्लैट की बिक्री और बैंक लोन से खरीदा गया था वहीं, कुर्क की गई फॉर्च्यूनर कार के लिए भी बैंक लोन और उधार की रकम का इस्तेमाल किया गया था।इसके विपरीत, सरकारी वकील (अभियोजन पक्ष) ने कोर्ट को बताया कि अवनीश दीक्षित ने अपने संगठित गैंग के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर जमीनों पर अवैध कब्जे, रंगदारी वसूली और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दिया, जांच में सामने आया कि इन्हीं आपराधिक गतिविधियों से अर्जित काले धन से करीब 2.68 करोड़ रुपये की संपत्तियां खरीदी गई थीं, जिनकी मौजूदा बाजार कीमत इस समय सवा तीन करोड़ रुपये से भी अधिक है। इसके अलावा अवनीश की पत्नी के आयकर रिटर्न (ढ्ढञ्जक्र) और उनके पास मौजूद वास्तविक संपत्ति के बीच भारी अंतर (मिसमैच) भी उजागर हुआ विशेष न्यायाधीश निशा श्रीवास्तव की अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद पाया कि अवनीश दीक्षित महज एक आरोपी नहीं, बल्कि 16 सदस्यीय एक बड़े संगठित आपराधिक गिरोह का सरगना है।

आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में कुल 16 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, इतनी जल्दी भारी-भरकम लोन चुकाने और रकम के वैध स्रोतों को लेकर आरोपी पक्ष अदालत में कोई भी संतोषजनक जवाब या सबूत पेश नहीं कर सका । इन पुख्ता तथ्यों और पुलिस की जांच रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने पुलिस कमिश्नर के कुर्की आदेश को बिल्कुल सही ठहराते हुए गैंगस्टर अवनीश दीक्षित की अर्जी को सिरे से खारिज कर दिया। इस फैसले से साफ है कि अपराध की कमाई से खड़ी की गई इस साम्राज्य पर कानून का शिकंजा कस चुका है।

नीट की तैयारी कर रही दलित छात्रा के साथ हुई जघन्य घटना के विरोध में कॉंग्रेसियो ने सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महोबा जनपद में नीट की तैयारी कर रही दलित छात्रा के अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म एवं अमानवीय उत्पीड़न की हृदयविदारक घटना के विरोध में आज कानपुर महानगर कांग्रेस ने अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में महामहिम राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कानपुर नगर के माध्यम से सौंपा।कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं एवं बेटियों के साथ बढ़ रही अपराध की घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और यह प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था को दर्शाती हैं। कांग्रेस पार्टी पीड़िता एवं उसके परिवार के साथ खड़ी है तथा दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने तक संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने मांग की कि सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाए, पीड़िता एवं उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा उचित आर्थिक सहायता एवं निःशुल्क उपचार दिया जाए।कांग्रेसजनों ने प्रदेश सरकार से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग की।इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। इस दौरान पवन गुप्ता,नरेश चंद्र त्रिपाठी, विजय बाजपेई, संजय शाह, राकेश साहू,शीलू श्रीवास्तव,पदम मोहन मिश्रा,वैभव चौधरी,राजेश सविता,गौरव शर्मा,राजेश द्विवेदी,विनोद अवस्थी,संजय पांडे,संजय शिखर, डी एन पाल,मनोज दुबे उपस्थित रहे।

अभिभावक नाबालिग बच्चों को न दें वाहन, गंगा बैराज पर स्टंटबाजों पर होगी कार्रवाई : डीएम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है और जनजागरूकता के बिना दुर्घटनाओं में कमी लाना संभव नहीं है।

जिलाधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने नाबालिग बच्चों को किसी भी स्थिति में वाहन न चलाने दें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक 12 ऐसे चालान किए जा चुके हैं जिनमें नाबालिग बच्चे वाहन चलाते हुए पाए गए। साथ ही गंगा बैराज क्षेत्र में स्टंट करने वाले बाइक सवारों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सर्वाधिक दुर्घटना वाले स्थलों पर पांच मिनट के भीतर एंबुलेंस पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने, ऐसे मार्गों पर स्थित राजकीय चिकित्सालयों की आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा बड़ी सड़क दुर्घटनाओं से निपटने के लिए जनपद स्तरीय आकस्मिक मेडिकल एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब स्थापित कर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि प्रधानमंत्री राहत जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जनपद के नौ अस्पताल चिन्हित हैं, जिनमें वेदांता हॉस्पिटल, डेल्टा हॉस्पिटल, आशिर्य हॉस्पिटल, चांदनी हॉस्पिटल, उजाला सिग्नस कुलवंती हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, रामादेवी मेडिकल सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, रामा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर तथा रामा हॉस्पिटल शामिल हैं। ये सभी अस्पताल हाईवे के निकट स्थित हैं। दुर्घटना की स्थिति में पात्र घायलों का डेढ़ लाख रुपये तक उपचार निःशुल्क किया जा सकता है।जिलाधिकारी ने राहवीर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने से उसकी जान बचने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि राहवीर योजना के अंतर्गत घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिक को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है तथा पुलिस द्वारा उससे अनावश्यक पूछताछ भी नहीं की जाती।

बैठक में अप्रैल 2026 के प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा भी की गई। यातायात पुलिस द्वारा बिना हेल्मेट वाहन चलाने पर 24,885, बिना सीट बेल्ट 572, रेड लाइट जंपिंग के 493, शराब पीकर वाहन चलाने के 90 तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने के 175 मामलों में कार्रवाई की गई। वहीं परिवहन विभाग द्वारा 38 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए, जिनमें 31 ओवरलोडिंग, चार वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग तथा तीन शराब पीकर वाहन चलाने से संबंधित थे।

बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी अखंडेश्वर, एआरटीओ आलोक कुमार सिंह, बीएसए सुरजीत कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मरकज़ी ईदगाह में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई बकरीद की नमाज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मरकज़ी ईदगाह बेनाझाबर में शासन के निर्देशों के अनुरूप बकरीद की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर एवं जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि कानपुर नगर में आपसी भाईचारे, मेल-मिलाप और गंगा-जमुनी तहजीब की परंपरा के साथ त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि नगर निगम, केस्को, जल निगम समेत समस्त संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि आपसी

समन्वय के साथ सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

जलकल कार्यालय के बाहर दो वर्ष बाद शुरू हुआ यूरिनल निर्माण

» व्यापारियों और क्षेत्रीय जनता में खुशी की लहर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविन्द नगर स्थित नंदलाल चौराहे पर जलकल जोन-5 कार्यालय के बाहर लगभग दो वर्षों से लंबित सार्वजनिक पुरुष एवं महिला यूरिनल का निर्माण कार्य शनिवार से प्रारंभ हो गया। निर्माण कार्य शुरू होते ही क्षेत्रीय व्यापारियों, राहगीरों और स्थानीय नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लंबे समय से इस मूलभूत जनसुविधा की मांग कर रहे लोगों ने इसे जनसंघर्ष की बड़ी सफलता बताया है।

ज्ञात हो कि जलकल जोन-5 कार्यालय के बाहर पूर्व में निर्मित सार्वजनिक पुरुष एवं महिला यूरिनल लगभग दो वर्ष पूर्व कथित नाला निर्माण के नाम पर ध्वस्त कर दिए गए थे। हैरत की बात यह रही कि न तो वहां कोई नाला बना और न ही यूरिनल का पुनर्निर्माण कराया गया।

इसके चलते स्थानीय व्यापारियों, राहगीरों तथा विशेष रूप से महिलाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्रीय व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार आवाज उठाई जाती रही। मुख्यमंत्री पोर्टल (आईजीआरएस), ÷संभव÷ पोर्टल तथा नगर विकास विभाग में कई शिकायतें दर्ज कराई गईं।

मामला नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा तक पहुंचा, जिन्होंने शिकायत को नगर आयुक्त, कानपुर को आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया था। इसके बाद भी लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे क्षेत्रीय लोगों में रोष व्याप्त था।

लगातार जनदबाव और शिकायतों के बाद शनिवार को नगर निगम ने जलकल कार्यालय के बाहर सार्वजनिक यूरिनल का निर्माण कार्य शुरू करा दिया।

निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्रीय व्यापारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनता की एकजुटता और निरंतर संघर्ष की जीत है। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं गोविन्द नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रकाश वीर आर्य ने कहा कि पिछले दो वर्षों से क्षेत्रीय जनता इस समस्या से जूझ रही थी।

अनेक शिकायतों, पत्राचार और जनहित में उठाए गए प्रयासों के बाद आखिरकार नगर निगम को निर्माण कार्य शुरू करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक यूरिनल का निर्माण नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दे पर जनता की जीत और प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने का उदाहरण है।

उन्होंने नगर विकास मंत्री श्री ए. के. शर्मा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उन सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस जनहित के मुद्दे को लगातार उठाया। साथ ही उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जाए ताकि व्यापारियों, महिलाओं और राहगीरों को स्थायी राहत मिल सके।

आईएसआई के आठ आतंकी अरेस्ट

विस्फोटक बरामद, निशाने पर थे न्यूक्लियर प्लांट-एयरपोर्ट-रेलवे स्टेशन

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (विशेष प्रकोष्ठ) ने दिल्ली, मुंबई, पंजाब व चंडीगढ़ में बड़ी हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया है। स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, पाक-मुंबई अंडरवर्ल्ड-पाकिस्तान गैंगस्टर शहजाद भट्टी के आतंकी माड्यूल का पर्दाफाश करते हुए आठ संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है।ये मॉड्यूल पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी, मुन्ना झिंगाड़ा और यावर खान के इशारे पर काम कर रहे थे। इस मॉड्यूल का नेटवर्क पूरे देश में फैल चुका था। पाक आईएसआई-मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क ने दिल्ली और अन्य शहरों में महत्वपूर्ण ठिकानों, सुरक्षा प्रतिष्ठानों और पुलिस कर्मियों पर ग्रेनेड हमले, टॉरगेट किलिंग और गोलीबारी कर बड़ी आतंकी हमले करने की साजिश थी।

पाकिस्तान में बने हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद

दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) अनिल शुक्ला ने बताया कि दिल्ली से गिरफ्तार किए गए तीन गुर्गों के पास से पाकिस्तान में बने चार हैंड ग्रेनेड, दो ग्लॉक पिस्तौल और 24 कारतूस बरामद किए गए हैं। विशेष पुलिस आयुक्त शुक्ला ने बताया कि सेल के नई दिल्ली रेंज के पुलिस उपायुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी की देखरेख में एसीपी विवेक कुमार त्यागी, इंस्पेक्टर सुनील राजैन और इंस्पेक्टर धीरज महलावत की टीम ने इस पाक आईएसआई-मुंबई अंडरवर्ल्ड और शहजाद भट्टी के एक अंतरराष्ट्रीय और अंतर-राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों के खिलाफ स्पेशल सेल, नई दिल्ली पुलिस स्टेशन द्वारा बीएनएस और यूएपीए की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

अलग-अलग जगह से किए गए गिरफ्तार

विशेष पुलिस उपायुक्त ने बताया कि खुफिया इनपुट, तकनीकी विश्लेषण तथा मानवीय स्रोतों से मिली मिली जानकारी के बाद आरोपी यूपी निवासी विजय उर्फ शूटर को 14 मई को पुणे से गिरफ्तार किया गया। उसके साथी नीतीश को 17 मई को साहिबगंज, झारखंड से गिरफ्तार किया गया। विजय से पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर 27 मई को मुंबई से तौकीर और अरबाज को गिरफ्तार किया गया। मुंबई स्थित आरोपियों से पूछताछ के बाद पंजाब से एक और समूह, उन्हीं हैंडलरों के इशारे पर, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा कर्मियों पर हमले करने के लिए दिल्ली आ रहा है। तीनों आरोपी हरविंदर सिंह, गगनदीप सिंह और मनजीत सिंह 30 मई को लगभग 01-00 बजे महरौली-बदरपुर रोड से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। तीनों ही पंजाब के रहने वाले हैं। इससे पूछताछ के बाद पंजाब के तीनों आरोपियों से पूछताछ के बाद एक नेपाली नागरिक अंग कामी लामा को गिरफ्तार किया गया। उसे मुन्ना झिंगाड़ा के निर्देश पर दिल्ली में आरोपियों के लिए छिपने की जगह का इंतज़ाम करने और उनकी गतिविधियों के लिए पैसे मुहैया कराने का काम सौंपा गया था।

इनको ये काम सौंपा गया था

विजय, पाकिस्तान और दुबई से संचालित हो रहे शहजाद भट्टी नेटवर्क के सदस्यों के साथ नियमित संपर्क में था। राजस्थान और यूपी में विभिन्न आपराधिक और आतंकी गतिविधियां अंजाम देने का काम सौंपा गया था। उसे दिल्ली-एनसीआर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती करने का काम भी सौंपा गया था। तौकीर और अरबाज को दोनों आईएसआई हैंडलर यावर खान और मुन्ना झिंगाड़ा के संपर्क में थे। इनकी भर्ती मुंबई के एक हुजैफा (फरार) ने की थी, जो शहजाद भट्टी, यावर और मुन्ना के इशारे पर काम कर रहा था। इन्हें दिल्ली और मुंबई में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, सुरक्षा संस्थानों और पुलिस कर्मियों पर ग्रेनेड हमले और गोलीबारी करने का काम सौंपा गया था।

यहां के रहने वाले हैं

विजय उर्फ शूटर (23) पुत्र राजाराम बजाहा थाना कछुवां मिर्जापुर यूपी, नीतीश पासवान (23) पुत्र नवल किशोर सकरोगढ़ गैस गोदाम, थाना जिरुआबाड़ी साहिबगंज झारखंड, तौकीर रिजवान अहमद शेख (27) मुंब्रा महाराष्ट्र, साजिद महबूब शेख उर्फ अरबाज खान (27) पुत्र महबूब शेख कुर्ला मुंबई, महाराष्ट्र, हरविंदर सिंह (28) पुत्र हरभजन सिंह देहलों लुधियाना, पंजाब, गगनदीप सिंह (28) पुत्र गुरदीप सिंह रामपुर लुधियाना, पंजाब, मनजीत सिंह (23) पुत्र कुलवंत सिंह गिदारी लुधियाना, पंजाब और लामा अंग कामी (66) पुत्र दावा फिनजो लामा शेरपा कॉलोनी, काठमांडू, नेपाल का रहने वाला है।

साजिश का खुलासा

शहजाद भट्टी नेटवर्क के कुछ सदस्यों की गतिविधियों पर नज़र रखने के दौरान यह पता चला कि शहज़ाद भट्टी-मुंबई अंडरवर्ल्ड-पाक आईएसआई नेटवर्क के पाकिस्तान और दुबई स्थित हैंडलर्स के गुर्गे दिल्ली, मुंबई, पंजाब और चंडीगढ़ में महत्वपूर्ण ठिकानों, सुरक्षा प्रतिष्ठानों और पुलिस कर्मियों पर हमले करने की योजना बना रहे हैं। इस खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन के परिणामस्वरूप पुणे-एक, बिहार-एक, मुंबई-एक, और दिल्ली से चार को गिरफ्तार किया गया है।

सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी का विरोध: अंडे-जूते फेंके, लात-घूंसे मारने की कोशिश; हिंसा पीड़ितों से पहुंचे थे मिलने

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ शनिवार को कथित तौर पर स्थानीय लोगों ने दुर्व्यवहार किया और उन पर अंडे, जूते तथा पत्थर फेंके गए।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद पर अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके तथा उनको लात-घूंसे मारने की कोशिश भी की।

इस दौरान उन्होंने चोर-चोर के नारे भी लगाए। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में बनर्जी को पुलिस की सुरक्षा में इलाके से बाहर ले जाते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहना हुआ था और उनकी कमीज फटी हुई थी।

चुनाव बाद हुई हिंसा में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार से मुलाकात के दौरान बनर्जी ने कहा कि देखिए इन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह पूर्व नियोजित था। इलाके में पुलिस नहीं है। ये मुझे मारना चाहते हैं। जब तक स्थानीय पुलिस अपनी टीम नहीं भेजती और पीड़ितों के परिवारों को सुरक्षा प्रदान नहीं करती, मैं यहां से नहीं जाऊंगा। स्थानीय महिलाएं झाड़ू और बांस के डंडे लेकर उस टीएमसी कार्यकर्ता के घर के बाहर एकत्र हो गईं, जहां बनर्जी पहुंचे थे। बनर्जी के आने का मकसद पूछते हुए उन्होंने उनके खिलाफ नारे लगाए।प्रदर्शनकारी महिलाओं में से एक ने कहा कि वह यहां क्यों आए हैं? जिसके घर वह आए हैं, वह भी चोर है। यह तो चोर का चोर से मिलने जैसा है। वहीं, एक अन्य प्रदर्शनकारी महिला ने सवाल किया कि अभया कांड के समय वह (अभिषेक) कहां थे? वह निर्भया के माता-पिता से कितनी बार मिले थे? हमें उनसे जवाब चाहिए।

ममता बोलीं- शासक बने हत्यारे; कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने शुभेंदु सरकार को घेरा

» बीपीएस न्यूज

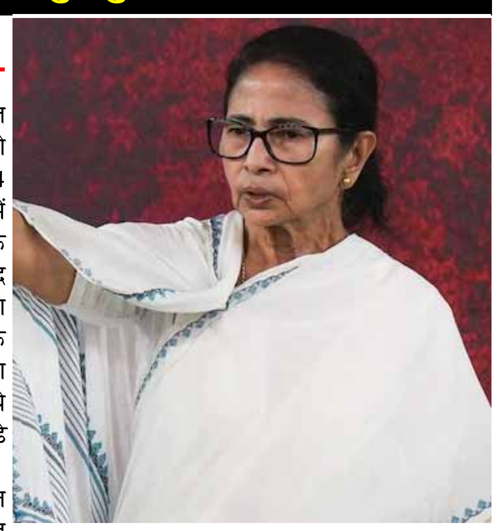

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर हिंसा के आरोपों को लेकर गरमा गई है। दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद सियासी माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया है। अभिषेक बनर्जी जब चुनाव बाद हिंसा प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे थे, उसी दौरान उन पर पत्थर, अंडे और जूते फेंके गए।

घटना के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी समेत कई विपक्षी नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधा और इस हमले को लोकतंत्र पर हमला बताया।ममता बनर्जी को जैसे ही अभिषेक बनर्जी के अस्पताल पहुंचने की जानकारी मिली, वह तुरंत कालीघाट स्थित अपने आवास से अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने अभिषेक की सेहत की जानकारी ली और डॉक्टरों से बातचीत की। इस दौरान अभिषेक की मां लता बनर्जी भी अस्पताल में मौजूद रहीं। तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और सांसद भी अस्पताल पहुंचे। घटना के बाद पार्टी नेताओं ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए भाजपा और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।घटना के बाद ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि शासक ही हत्यारे बन गए हैं। ममता ने कहा कि इस तरह की राजनीति शर्मनाक है और लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस ने भी इस घटना का वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि हमला पहले से तय साजिश का हिस्सा था। पार्टी नेताओं का कहना है कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए ऐसी घटनाएं कराई जा रही हैं।

दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिलाओं के बहिष्कार का मामला, नौ जजों की पीठ सुनाएगी फैसला

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक पारसी महिला के साथ कथित धार्मिक भेदभाव के मामले में कहा है कि वह इस मुद्दे पर फैसला देने से पहले 9 जजों की संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करेगा। मामला उस पारसी महिला से जुड़ा है जिसने दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी की, लेकिन अपना धर्म नहीं बदला। इसके बावजूद उसे नागपुर के पारसी अगियारी यानी अग्नि मंदिर में प्रवेश से रोक दिया गया। अदालत ने कहा कि यह मामला महिलाओं के धार्मिक अधिकारों और समानता से जुड़ा बड़ा संवैधानिक सवाल है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल थे। अदालत दीना बुधराजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दीना ने एक हिंदू व्यक्ति से विवाह किया था, लेकिन उन्होंने पारसी धर्म नहीं छोड़ा। इसके बावजूद 2024 में उनकी दादी के अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें नागपुर अगियारी में प्रवेश नहीं करने दिया गया। महिला ने अदालत से मांग की कि उसे अपने परिवार के धार्मिक कार्यक्रमों और प्रार्थनाओं में शामिल होने की अनुमति दी जाए।दीना बुधराजा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नागपुर पारसी पंचायत के संविधान का नियम 5(2) महिलाओं के साथ भेदभाव करता है। इस नियम के तहत अगर कोई पारसी महिला दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी करती है तो उसे धार्मिक पहचान और अगियारी में प्रवेश का अधिकार खोना पड़ता है। वहीं पारसी पुरुष अगर दूसरे धर्म की महिला से शादी करे तो उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाता। याचिका में कहा गया कि यह नियम संविधान के समानता के अधिकार के खिलाफ है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसी तरह के धार्मिक और लैंगिक भेदभाव से जुड़े मामलों पर 9 जजों की संविधान पीठ पहले से सुनवाई कर चुकी है और फैसला सुरक्षित रखा गया है। इसमें सबरीमाला मंदिर समेत कई धार्मिक मामलों में महिलाओं के अधिकारों पर सवाल उठाए गए हैं। अदालत ने संकेत दिया कि उस फैसले का असर इस मामले पर भी पड़ेगा। इसलिए अभी अंतिम आदेश देने से पहले संविधान पीठ के फैसले का इंतजार किया जाएगा।

संभल की जामा मस्जिद के इमाम समेत तीन पर एफआईआर जमीन कब्जा करने के आरोप

» बीपीएस न्यूज

संभल। वृक्षारोपण के लिए आरक्षित करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर मस्जिद, दरगाह और मकान निर्माण कराने के आरोप में शाही जामा मस्जिद के इमाम समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला पहले से राजस्व न्यायालय में विचाराधीन है और अब आपराधिक मुकदमा दर्ज होने के बाद प्रकरण ने नया मोड़ ले लिया है।तहसील संभल में तैनात लेखपाल मुकेश कुमार यादव द्वारा कोतवाली संभल में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि संभल-चंदौसी मार्ग स्थित सैफ खां सराय क्षेत्र की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। यह भूमि सार्वजनिक प्रयोजन और वृक्षारोपण के लिए आरक्षित थी, लेकिन उस पर कब्जा कर मस्जिद, दरगाह और मकान का निर्माण करा लिया गया। साथ ही भूमि को कथित रूप से फर्जी तरीके से वक्फ बोर्ड में दर्ज कराने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि लेखपाल की शिकायत के आधार पर शाही जामा मस्जिद के इमाम आफताब हुसैन वारसी, उनके भाई मेहताब हुसैन तथा एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यह मामला पहले से जिलाधिकारी न्यायालय में भी विचाराधीन है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर धार्मिक ढांचे और अन्य निर्माण किए गए थे। इस संबंध में तहसीलदार संभल द्वारा राजस्व न्यायालय में कार्रवाई की गई थी। प्रशासन की ओर से भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए बेदखली की कार्रवाई भी गई। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) गजेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी जमीन पर कब्जा कर मस्जिद, दरगाह और अन्य निर्माण किए जाने की रिपोर्ट संबंधित लेखपाल द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत की गई

उत्तर प्रदेश में बिजली की कीमतें बढ़ी

» जून से बिल में 10% की बढ़ोतरी होगी

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा ईंधन समायोजन शुल्क व्यवस्था के तहत अतिरिक्त अधिभार लगाने के निर्णय के बाद उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बढ़े हुए बिजली बिलों का सामना करना पड़ेगा। इस कदम से बिजली बिलों में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ और बढ़ जाएगा। बिजली निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अतिरिक्त राशि आगामी बिलिंग चक्र में वसूल की जाएगी और जून से जारी होने वाले बिजली बिलों में दिखाई देगी। उपभोक्ताओं को नियमित बिजली शुल्क के अतिरिक्त ईंधन अधिभार के रूप में यह अतिरिक्त शुल्क अलग से देना होगा। अधिकारियों ने बताया कि बिजली वितरण कंपनियों द्वारा ईंधन और बिजली खरीद लागत में हुई वृद्धि की भरपाई के लिए यह अधिभार लगाया जा रहा है। ईंधन समायोजन शुल्क व्यवस्था के तहत बिजली कंपनियां ईंधन खर्च और बिजली खरीद लागत में

होने वाले उतार-चढ़ाव की भरपाई उपभोक्ताओं से कर सकती हैं। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली कटौती और आपूर्ति की कमी से संबंधित शिकायतें आ रही हैं, खासकर गर्मी के मौसम में जब बिजली की मांग सबसे अधिक रहती है। बिजली कटौती की खबरों के बीच बिजली बिलों में वृद्धि से उपभोक्ताओं और विपक्षी दलों की आलोचना होने की संभावना है। संशोधित बिलिंग संरचना के तहत, घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं के मासिक बिजली खर्च में वृद्धि होगी। इसका सटीक प्रभाव खपत के स्तर और लागू टैरिफ श्रेणी के आधार पर अलग-अलग होगा।उपभोक्ता समूहों ने इस अतिरिक्त बोझ पर चिंता व्यक्त की है, उनका तर्क है कि लोग पहले से ही बढ़ती महंगाई से जूझ रहे हैं। कई उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति में लगातार हो रही रुकावटों की शिकायतों का हवाला देते हुए इस बढ़ोतरी के समय पर भी सवाल उठाए हैं। उत्तर प्रदेश विद्युत निगम ने इस निर्णय का बचाव करते हुए कहा है कि यह अधिभार नियामक प्रावधानों के अनुसार लगाया जा रहा है और इसका उद्देश्य बिजली वितरण कार्यों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। जून से संशोधित बिल जारी होने वाले हैं, जिससे राज्य भर के बिजली उपभोक्ताओं को आने वाले हफ्तों में बढ़े हुए शुल्कों का असर महसूस होने की संभावना है।उपभोक्ताओं को नियमित बिजली शुल्क के अतिरिक्त ईंधन अधिभार के रूप में यह अतिरिक्त शुल्क अलग से देना होगा। अधिकारियों ने बताया कि बिजली वितरण कंपनियों द्वारा ईंधन और बिजली खरीद लागत में हुई वृद्धि की भरपाई के लिए यह अधिभार लगाया जा रहा है। ईंधन समायोजन शुल्क व्यवस्था के तहत बिजली कंपनियां ईंधन खर्च और बिजली खरीद लागत में होने वाले उतार-चढ़ाव की भरपाई उपभोक्ताओं से कर सकती हैं।

हमीरपुर जिले के बेतवा नदी पर गिर गया निर्माणाधीन पुल का स्लैब, 6 मजदूरों की दबकर हुई मौत

» बीपीएस न्यूज

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और हृदयविदारक खबर सामने आई है। शुक्रवार तड़के तेज आंधी-तूफान के दौरान बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक बड़ा स्लैब अचानक भरभराकर गिर गया। इस भीषण हादसे में पुल निर्माण कार्य में लगे 6 श्रमिकों की मलबे में दबने से मौत हो गई, जबकि 3 अन्य श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार, घटना तड़के करीब तीन बजे लालपुरा थाना क्षेत्र में हुई, जब परसनी और कुरारा कंदौर गांव के बीच निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिर गया।

अधिकारियों ने बताया कि पुल निर्माण कार्य में लगे कई मजदूर स्लैब के ऊपरी हिस्से पर सो रहे थे। इसी दौरान अचानक स्लैब गिर गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान लोकेन्द्र (22), कुलदीप निषाद (19), सावंत यादव (28), सभाजीत (30), पुष्पेंद्र चौहान (34) और राजेश पाल (42) के रूप में हुई है। वहीं, अवधेश निषाद, कल्लू यादव और राजेश निषाद पिलर के नीचे फंसकर घायल हो गए। लालपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार सरोज ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने तीनों घायलों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेज दिया है।उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। सरोज ने बताया कि मलबा हटाकर यह देखा जा रहा है कि कहीं कोई अन्य व्यक्ति दबा तो नहीं है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।'' उन्होंने कहा, ''प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन को एसडीआरएफ के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

लालपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार सरोज ने बताया कि मलबे से सभी हताहतों को निकाल लिया गया है।

बॉलीवुड की अनूठी ऑफस्क्रीन प्रेम कहानियां

बॉलीवुड में ऑफस्क्रीन प्यार की कई मिसाल हैं। इनमें कई तो महीनोंङ्कसाल में ही खत्म हो गयी, कुछ ताउम्र चली लेकिन बिना किसी प्रचार व शोर-शराबे के। प्रेम के चंद ही किस्सों की परिणति शादी में हुई। बॉलीवुड में ऑफस्क्रीन प्यार की कई मिसाल हैं। इनमें कई तो महीनोंङ्कसाल में ही खत्म हो गयी, कुछ ताउम्र चली लेकिन बिना किसी प्रचार व शोर-शराबे के। प्रेम के चंद ही किस्सों की परिणति शादी में हुई। उनमें भी कई जोड़े बंधन तोड़ अलग-अलग हो गये। बात की शुरुआत कैटरीना कैफ से करें तो एक इवेंट में विकी कौशल से उनका परिचय हुआ था। बाद में पश्चिम से आई कैट ने जिस तरह से अपने प्यार को एक सुखद मोड़ दिया है, उसकी चर्चा हमेशा होती रहेगी। सलमान की जलेबीनुमा मुहब्बत और रणबीर कपूर के फ्लर्टिंग प्यार से कैट ने काफी सबक सीखा था। आज वह बिल्कुल भारतीय संस्कृति में रंगी नजर आती हैं। बॉलीवुड के प्रेम किस्सों में इस तरह के प्यार की बातें बहुत कम हैं। पर यह सिर्फ एक छोटा-सा सतही उदाहरण है।

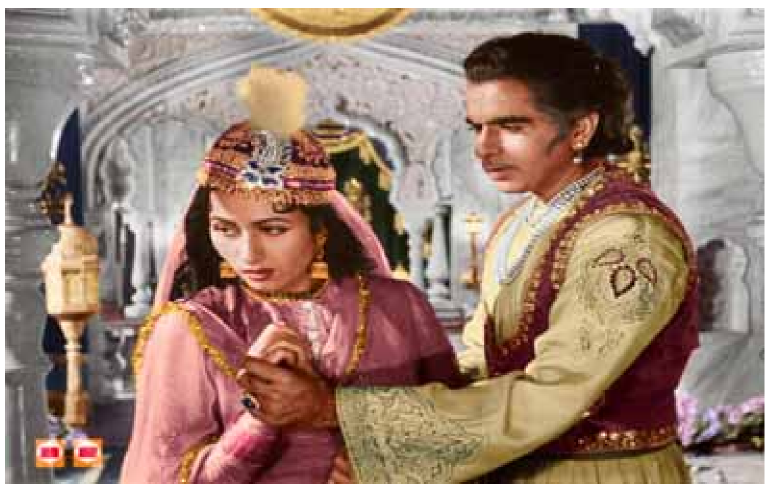

» डिंपल, सनी का खामोश इजहार

इन दोनों सितारों के बीच प्यार को लेकर कई कपोल-कल्पित कहानियां मशहूर हैं। असल में 1984 की फिल्म 'मंजिल-मंजिल' की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी। फिर 1985 की 'डकैत' में भी दोनों ने साथ काम किया। लेकिन 1989 की फिल्म 'आग का गोला' के बाद पहली बार ऐसा लगा कि दोनों की गहरी दोस्ती प्यार में तब्दील हो चुकी है। परिवार ने इस पर कई बार पाबंदी लगाने की कोशिश की, पर कोई असर नहीं हुआ। आज यह रिश्ता अटूट है। डिंपल कभी बीमार होती हैं, तो उनका ख्याल रखने में सनी कोई कमी नहीं बरतते। शायद दोनों के बीच स्नेह का मजबूत धागा यही है।

» कंगना-ऋतिक का वो विवादास्पद प्यार

2010 की 'काइट्स' की शूटिंग के दौरान दोनों में दोस्ती हुई। लेकिन 2013 की 'कृष-3' के बाद पहली बार लगा कि दोनों के बीच प्यार की खिचड़ी अच्छी तरह से पक चुकी है। यह ठीक है कि उनकी मुहब्बत की बातें आज ज्यादातर लोग भुला चुके हैं। लेकिन कुरेदने पर कंगना के दिल में ऋतिक की बेवफाई की कसक आज भी महसूस हो सकती है।

» सलमान की संगीता

सलमान और मॉडल अभिनेत्री संगीता बिजलानी ने 1986 में परस्पर डेटिंग करना शुरू किया। उनका रिश्ता नौ साल चला। 1994 में सलमान संगीता से शादी करने का पूरा मन बना चुके थे, लेकिन संगीता पीछे हट गईं। साल 1996 में दोनों का ब्रेक हो गया। फिर संगीता का अफेयर क्रिकेटर अजहरुद्दीन से हुआ। दोनों ने शादी कर ली, पर ज्यादा दिन नहीं टिकी। संगीता सलमान की जिंदगी में फिर वापस आईं, पर दोस्त बनकर।

» मोतीलाल के शोभना समर्थ

प्रसिद्ध अभिनेत्री नूतन और तनूजा की मां शोभना समर्थ और नामचीन अभिनेता मोतीलाल के मोहब्बत की अनोखी दास्तान है। शोभना को 1944 में आई विजय भट्ट की फिल्म 'भरत मिलाप' ने माता सीता के तौर पर स्थापित कर दिया था। इसके बाद वह कम से कम छह-सात फिल्मों में सीता की भूमिका में दिखाई पड़ीं। कई फिल्मों में उनके साथ राम बने उस दौर के चर्चित हीरो प्रेम अदीब के साथ इनकी सीता-राम की जीवंत छवि दर्शकों के मन में बस गई। चार बच्चों की मां शोभना समर्थ एक फिल्म में काम करने के दौरान मोतीलाल के सम्मोहन में बंध गईं। दोनों ने अपनी आत्मीयता को हमेशा प्रचार से दूर रखा।

» संध्या के बिना अधूरे शांताराम

अब जरा अतीत की कुछ लव स्टोरी पर गौर फरमाएं। वी. शांताराम और संध्या की प्रेम कहानी उनकी क्लासिक फिल्म 'झनक-झनक पायल बाजे' से शुरू हुई। अपने से 34 साल छोटी संध्या को उन्होंने पहली पत्नी जयश्री को तलाक देने के बाद शादी की थी। शांताराम ने अपनी जीवनी में संध्या के बारे में ढेरों बातें लिखी हैं, जैसे– ...संध्या ने मेरे जीवन में कला-सहचरी के रूप में कब प्रवेश किया, मुझे पता ही नहीं चला।

» चंदुलाल की गौहर

किसी जमाने के दिग्गज निर्माता और रणजीत मूवीटोन के मालिक चंदुलाल शाह और गौहर को मिलवाने वाली फिल्म का नाम 'पति-पत्नी' था। इसके बाद अरसे तक विवाह की औपचारिकता न निभाते हुए भी यह जोड़ी आखिर तक एक-दूसरे के प्रति एकनिष्ठ रही।

» मधुबाला के दिलीप

कभी मधुबाला के पक्के आशिक के तौर पर अभिनेता प्रेमनाथ और दिलीप कुमार का नाम लिया जाता था, पर ऐसा कहा जाता है कि मधुबाला ने दिलीप कुमार से ही सच्चा प्यार किया था। बाद में प्रेमनाथ ने भी दिलीप कुमार के बारे में यह कहा था कि दिलीप कुमार ने मधु के प्यार को नहीं समझा।

खाने के बाद क्या आप भी पीते हैं कोल्ड ड्रिंक

» क्या आपको पता है ये सेहत के लिए काफी घातक है

लगातार खिल रही धूप के बाद अब जल्द ही गर्मियां आने वाली हैं और गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक की डिमांड बढ़ जाती है। लोग इसे गैस कम करने और ठंडक के लिए पीते हैं, लेकिन क्या आपको पता है ये आपकी सेहत के लिए अच्छा है या नहीं? खासकर लोग खाना खाने के बाद कोल्ड ड्रिंक पीना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आपको पता है ये हमारी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है। क्योंकि बोतलबंद कोल्ड ड्रिंक्स में मौजूद ज्यादा शक्कर और फक्टोज लिवर पर भारी पड़ता है।

इसमें पाया गया कि रोजाना एक या ज्यादा शुगर–स्वीटेड ड्रिंक पीने वाली महिलाओं में लिवर कैंसर का जोखिम 85 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। क्रॉनिक लिवर डिजीज से मौत का खतरा भी 68 प्रतिशत ज्यादा होता है। यह स्टडी 20 साल से ज्यादा चली।

अन्य स्टडीज भी बताती हैं कि रोजाना एक कैन डाइट या शुगर वाली ड्रिंक भी नॉन–एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज (इस्न्रस्ष्ठ या स्न्रस्ष्ठ) का खतरा 50–60 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है। फक्टोज लिवर में फैट जमा करता है, जो सूजन और आगे चलकर सिरोसिस या कैंसर का कारण बन सकता है।

रिसर्च के मुताबिक, महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीती हैं, जिससे उनका लिवर ज्यादा प्रभावित होता है। हार्मोनल बदलाव और शरीर की संरचना के कारण महिलाओं में शुगर का असर तेज होता है। इससे हार्मोन संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती है।

पाचन धीमा होता है- ठंडा ड्रिंक पेट में फैट को सॉलिड कर सकता है, जिससे ब्लोटिंग और एसिडिटी बढ़ती है।

लिवर पर बढ़ता है बोझ- फक्टोज सीधे लिवर में जाता है, फैट जमा करता है।

बैली फैट और कई बीमारियां- इससे डायबिटीज, हार्ट अटैक और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ता है।

दिन में कई बार पीने से इस्न्रस्ष्ठ का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है।

डॉक्टर ज्यादा शुगर वाली ड्रिंक्स से बचने की सलाह देते हैं। खाना खाने के बाद पानी, नींबू पानी या हर्बल चाय बेहतर ऑप्शन हैं। अगर आपको भी कोल्ड ड्रिंक पीने की आदत है तो धीरे–धीरे कम करें। इस आदत को संतुलित आहार लेकर और थोड़ी एक्सरसाइज करके कम किया जा सकता है।

अब आप बगैर दवा के भी कंट्रोल कर सकते है हाई ब्लड प्रेशर

अगर आपका ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है, तो हर बार दवा लेना ही सिर्फ एक उपाय नहीं होता है। अपनी लाइफस्टाइल को बदलकर नए तरह से जीने का रास्ता अपनाकर भी बीपी को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसके साथ ही कई मामलों में दवाओं की जरूरत को टाला या कम किया जा सकता है। कुछ आसान आदतें अपनाकर घर पर ही ब्लड प्रेशर को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कि इसे आप कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

» वजन घटाएं

जैसे–जैसे शरीर का वजन बढ़ता है, वैसे–वैसे ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा भी बढ़ जाता है। ज्यादा वजन से स्लीप एपनिया जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं, जो बीपी को और अनबैलेंस कर देती हैं। थोड़ी मात्रा में वजन कम करने से भी ब्लड प्रेशर में पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासतौर पर पेट के आसपास जमी चर्बी हाई बीपी का बड़ा कारण बन सकती है, इसलिए कमर की माप पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है।

» रोजाना एक्सरसाइज

हर दिन कम से कम 30 मिनट की हल्की एक्सरसाइज करना, इसके साथ तेज चलना, साइकिल चलाना, डांस करने से भी ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद मिलती है। रोजाना एक्सरसाइज करने से सिर्फ बढ़ा हुआ बीपी कम ही नहीं होता है, बल्कि उसे दोबारा बढ़ने से भी रोकने में हेल्प मिलती है।

» हेल्दी डाइट

साबुत अनाज, हरी सब्जियां, ताजे फल और लो–फैट डेयरी प्रोडक्ट्स से भरपूर डाइट ब्लड प्रेशर को नेचुरली कंट्रोल करने में मददगार मानी जाती है। पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे केला, पालक और दालें, शरीर में नमक के असर को कम करने में हेल्पफुल माने जाते हैं। सही खानपान से न सिर्फ बीपी कंट्रोल रहता है, बल्कि हार्ट हेल्थ भी बेहतर बनी रहती है।

» नमक और प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

ज्यादा नमक को खाने से हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। पैकेज्ड और प्रोसेस्ड फूड में छुपा हुआ सोडियम अधिक मात्रा में होता है, जो बीपी बढ़ा सकता है। ऐसे में खाना बनाते समय नमक की मात्रा सीमित रखें और स्वाद के लिए नेचुरल मसालों और हर्ब्स का इस्तेमाल करें।

» शराब और सिगरेट से परहेज करें

ज्यादा शराब का सेवन ब्लड प्रेशर को तेजी से बढ़ा सकता है। वहीं धूम्रपान करने से तुरंत बीपी बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इन आदतों को छोड़ने से हार्ट हेल्थ में सुधार देखा जा सकता है।

» पूरी नींद लें

लगातार कम नींद लेना और लंबे समय तक तनाव में रहना भी हाई बीपी की वजह बन सकता है।

रोजाना 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान और गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

सपा का अनोखा प्रदर्शनः पेट्रोल की कीमतों ने लगाया शतक, क्रिकेट किट पहनकर घसीटी मोटरसाइकिल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव श्रेयश द्विवेदी के नेतृत्व में शुक्रवार को दर्शनपुरवा में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन किया गया।कानपुर नगर के दर्शनपूर्वा इलाके में आज उस वक्त सियासी पारा चढ़ गया, जब समाजवादी पार्टी के विंग मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड% के कार्यकर्ताओं ने पेट्रोलियम पदार्थों के आसमान छूते दामों के खिलाफ एक बेहद अनोखा और आक्रामक प्रदर्शन किया। यूथ ब्रिगेड के उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव श्रेयश द्विवेदी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पेट्रोल की कीमतें 100 के पार होने के विरोध स्वरूप कार्यकर्ताओं ने बकायदा क्रिकेट किट पैड, ग्लव्स और हेलमेट पहनकर बल्ला थामा और मोटरसाइकिल को पैदल घसीटकर अपना तीखा विरोध दर्ज कराया।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव श्रेयश द्विवेदी ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि देश में पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य पिछले महज 10 दिन के भीतर चार बार बढ़ाए जा चुके हैं, जिससे पेट्रोल-डीजल के दामों में करीब 7.50 तक की भारी बढ़ोतरी हो चुकी है।इस बेतहाशा मूल्यवृद्धि का सीधा बोझ देश और प्रदेश की गरीब व मध्यमवर्गीय आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। ईंधन के दाम बढ़ने से मालभाड़ा महंगा हो गया है, जिससे दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें और महंगाई दिन-प्रतिदिन आम आदमी के बजट से बाहर होती चली जा रही है।बहुत हुई महंगाई की मार% वाले नारे पर कसा तंजसपा नेता श्रेयश द्विवेदी ने भाजपा के पुराने चुनावी नारों की याद दिलाते हुए सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने से पहले भाजपा का मुख्य नारा हुआ करता था बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार भाजपा सरकार लेकिन सत्ता की मलाई चाटते ही भाजपा नेताओं की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का फर्क साफ नजर आने लगा है।जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि आने वाले चुनावों में देश और प्रदेश की प्रताड़ित जनता इस कमरतोड़ महंगाई और लूट का बदला भाजपा के खिलाफ तथा समाजवादी पार्टी (सपा) के पक्ष में एकतरफा मतदान करके लेगी।

प्रदर्शन में जुटे दर्जनों सपाई, सुरक्षा व्यवस्था रही मुस्तैददर्शनपूर्वा में हुए इस जोरदार और ध्यान खींचने वाले प्रदर्शन के दौरान सड़क पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए। इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से शरद पांडेय, मनोज चौरसिया, वासु गुप्ता, सोनू गुप्ता, शुभम् शाह, अमन कालरा सहित यूथ ब्रिगेड के दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी मुस्तैद रहे।

सचेंडी सामूहिक दुष्कर्म मामला, 50 हजार का इनामी निलंबित दरोगा गिरफ्तार सोशल मीडिया पर दे रहा था सफाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सचेंडी सामूहिक दुष्कर्म मामले का फरार इनामी दरोगा अमित मौर्या गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था। गिरफ्तारी के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।कानपुर में सचेंडी के एक गांव की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का फरार आरोपी 50 हजार का इनामी निलंबित दारोगा अमित मौर्या को पुलिस ने सचेंडी सोना गांव के पास से गिरफ्तार किया है।

इससे पहले मुख्य आरोपी शिव बरन यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।एफआईआर के बाद से निलंबित दारोगा बचने के लिए इंटरनेट मीडिया पर सफाई दे रहा था। उसने हाईकोर्ट में मुकदमे को रद कराने की याचिका भी लगाई थी, लेकिन याचिका खारिज हो गई थी। आरोपी की तलाश की गई। उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया। पुलिस ने दरोगा के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी थी।

मौत के 12 दिन बाद खुली कायनात की कब्र, पोस्टमार्टम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबू पुरवा में दहेज हत्या के आरोपों के चलते 12 दिन बाद महिला की कब्र खोदकर शव को दोबारा पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर मजिस्ट्रेट की निगरानी में की गई है।कानपुर के बाबू पुरवा थाना क्षेत्र में बगाही कब्रिस्तान में शुक्रवार को एक विवाहिता की कब्र को दोबारा खुदवाया गया। हाईकोर्ट के आदेश पर कब्र खोदकर महिला का शव निकाला गया है, जो 12 दिन पहले दफनाई गई थी। मृतका के मायके पक्ष द्वारा लगाए गए हत्या के गंभीर आरोपों के बाद प्रशासन ने शव को दोबारा पोस्टमार्टम के लिए बाहर निकाला है।जानकारी के अनुसार, बाबू पुरवा निवासी कायनात की शादी 18 महीने पहले हुई थी। 15 मई को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिसे ससुराल पक्ष ने फांसी लगाकर आत्महत्या बताया था। हालांकि, मायके पक्ष ने इस दावे को खारिज करते हुए दहेज उत्पीड़न के चलते हत्या का आरोप लगाया है।

मौके पर भारी पुलिस फोर्स रहा तैनातमामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने पुनः पोस्टमार्टम के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए उन्नाव मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को कब्र से निकाला गया। मौके पर बाबू पुरवा थाना पुलिस के साथ-साथ उन्नाव का भारी पुलिस बल तैनात रहा।

आंधी-पानी ने मचाई भारी तबाही, सड़कों पर गिरे सैकड़ों पेड़, बिजली व्यवस्था ध्वस्त

उरई में गुरुवार देर रात आए भीषण आंधी-तूफान से भारी तबाही हुई है। पेड़ और बिजली के पोल गिरने से यातायात प्रभावित हुआ और सात घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति बंद रही। प्रशासन बहाली में जुटा है और फसलों के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।उरई जिले में बृहस्पतिवार देर रात आई तेज आंधी और बारिश ने जिलेभर में भारी तबाही मचाई। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए, जिससे कई मार्ग अवरुद्ध हो गए और यातायात प्रभावित रहा। तेज हवाओं के कारण कई जगह बिजली के पोल और तार भी क्षतिग्रस्त हो गए।आंधी का कहर, सड़क पर गिरा हाईटेंशन लाइन का पोल, घंटों जाम से बेहाल रहे वाहन चालक, मरम्मत में जुटी टीमआंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोगों के घरों की छतों पर रखे सामान उड़ गए। कई इलाकों में टीनशेड और होर्डिंग भी गिर पड़े। शहर समेत पूरे जिले में बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सात घंटे से बिजली नहीं आई।

पुतला दहन के दौरान आक्रोशित छात्रों ने की जोरदार नारेबाजी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

पुलिस ने कार्यकर्ताओं के हाथ से छीना पुतला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के खिलाफ छात्रसंघ बहाली मोर्चा और विधि छात्र मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। छात्र युवाओं ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ आक्रोशित छात्रों ने सड़क पर उतरकर जोरदार नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

कहा गया वर्तमान केंद्र सरकार पूरी तरह से युवा और शिक्षा विरोधी हो चुकी है। हाल ही में आयोजित SSC GD, NEET और CBSE 12वीं की परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर हुई धांधली और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों ईमानदार छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है।आक्रोशित छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की पुरजोर मांग की। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही युवा एवं शिक्षा विरोधी केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ छात्रों ने सड़क पर उतरकर जोरदार नारेबाजी की और साफ कहा कि परीक्षाओं में हो रही लगातार धांधली की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। छात्र और कार्यकर्ता पुतला फूंकने बढ़े, तो पुलिस प्रशासन कार्यकर्ताओं से पुतला जबरन छीन लिया और उन्हें पुतला दहन करने से रोक दिया।

इस दौरान मुख्य छात्र नेताओं ने पुलिसिया कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की और हुंकार भरी और कहा आज देश का युवा ठगा हुआ महसूस कर रहा है। सरकार के पास युवाओं के रोजगार और शिक्षा के लिए कोई नीति नहीं है।

जब तक भ्रष्ट तंत्र को सुधारा नहीं जाता और शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते, हमारा यह मोर्चा पीछे नहीं हटेगा। अनस साहू, छात्र नेता ने कहा पुलिस के दम पर छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश नाकाम होगी। यह लड़ाई अब और उग्र होगी, अनुज त्रिपाठी, छात्र ने कहा परीक्षाओं को व्यापार बनाने वाली इस सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। प्रमुख मांगें

कहा गया परीक्षाओं में हुई धांधली की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच हो।छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री तुरंत इस्तीफा दें।

छात्रसंघ चुनावों की बहाली की जाए ताकि छात्रों को लोकतांत्रिक आवाज मिल सके।। इस दौरान मुख्य रूप से छात्र नेता अनस साहू और अनुज त्रिपाठी सुमित कांत सोनी, अनुज तिवारी, फैज़, अमन यादव, आशीष कुमार, अमरजीत, आराध्या बाजपेयी, आकाश श्रीवास्तव, आकर्षण यादव और अभिनव श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में विजिलेंस का छापा, 60 हजार की रिश्वत लेते सब-रजिस्ट्रार और दलाल गिरफ्तार

कानपुर कन्नौज सदर तहसील स्थित उप निबंधक कार्यालय में शुक्रवार दोपहर विजिलेंस टीम ने छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। टीम ने 60 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में सब-रजिस्ट्रार और एक निजी कर्मचारी को हिरासत में लिया।सदर तहसील स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में चल रहे भ्रष्टाचार और धन उगाही के बड़े खेल का कानपुर विजिलेंस की टीम ने भंडाफोड़ कर दिया है। शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे विजिलेंस टीम ने अचानक उप निबंधक कार्यालय में छापेमारी कर उप निबंधक के इशारे पर घूस ले रहे एक निजी कर्मचारी को 60 हजार रुपये की नकदी के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। टीम ने घूसखोर सब-रजिस्ट्रार अश्विन कुमार वर्मा और उनके सहयोगी निजी कर्मी जितेंद्र कुमार कुशवाहा को हिरासत में ले लिया है।विजिलेंस कानपुर के टीम प्रभारी और क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बड़े ऑपरेशन का खुलासा किया।

खेल-खेल में मौत से हुई मुलाकात, झूला झूलते समय साड़ी बनी फंदा, थम गई मासूम की सांसें, मां बोली- सब कुछ खत्म

» बीपीएस न्यूज

औरैया । अछल्दा कस्बे के नहर बाजार में बृहस्पतिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 10 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। छात्रा छत पर कमरे की कुंडी में साड़ी का झूला बनाकर झूल रही थी। इसी दौरान अचानक फंदा उसके गले में कस गया, जिससे उसकी जान चली गई।औरैया जिले में अछल्दा कस्बा के नहर बाजार में बृहस्पतिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। यहां छत पर कमरे के दरवाजे की कुंडी में साड़ी का झूला बनाकर झूल रही 10 वर्षीय बालिका की फंदा लगने से मौत हो गई। घटना के समय मृतका की मां बाजार गई हुई थी। बड़ी बहन ने जब उसे अचेत अवस्था में लटके देखा तो चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव परिजन को सौंप दिया। नहर बाजार निवासी स्व. रामू सक्सेना की 10 वर्षीय बेटी जया देहाती इंटर कॉलेज में कक्षा छह की छात्रा थी। अचानक साड़ी का फंदा गले में कसाबृहस्पतिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह मकान की पहली मंजिल पर बने कमरे के दरवाजे की कुंडी में साड़ी का झूला बांधकर झूल रही थी। इसी दौरान अचानक साड़ी का फंदा उसके गले में कस गया, जिससे वह अचेत हो गई। कुछ देर बाद जब उसकी बड़ी बहन मानवी किसी काम से छत पर पहुंची, तो जया को देख उसके होश उड़ गए।दुकान चलाकर कर रही हैं भरण-पोषणमानवी के शोर मचाने पर दौड़े आसपास के लोगों ने उसे सीएचसी ले गए। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन के अनुसार मृतका के पिता रामू सक्सेना का साल 2020 में कोरोना काल के दौरान मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद मां गीता देवी मकान में परचून की दुकान चलाकर अपने बच्चों का भरण-पोषण कर रही हैं।परिजनों का रो-रोकर बुरा हालघटना के समय वह दुकान का सामान लेने बाजार गई हुई थीं। घर पर सिर्फ दोनों बहनें थीं, जबकि छोटा भाई सिद्धार्थ अपनी नानी के घर एटा के गांव जैथरा में रहकर कक्षा एक में पढ़ाई कर रहा है। बाजार से लौटते ही जैसे ही मां गीता देवी ने अपनी लाडली का शव देखा, वह चीख मारकर बेहोश हो गई। मां और बड़ी बहन मानवी का रो-रोकर बुरा हाल है।शव परिजनों के सुपुर्द कर दियामोहल्ले के लोग भी इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध हैं। घटना की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

तपती गर्मी में पटकापुर स्वच्छता समिति द्वारा किया गया शरबत वितरण

» बीपीएस न्यूज/अरूण कुमार अस्थाना

कानपुर। पटकापुर स्वच्छता समिति के द्वारा तपती गर्मी को देखते हुवे बृहस्पति मंदिर बिरहाना रोड में राहगीरों, व्यापारियों व छेत्रिय नागरिकों को ठंडा ठंडा शरबत पिलाया गया। शरबत वितरण करने के लिए पटकापुर निवासी व समिति के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। सभी ने निकल रहे राहगीरों को सेवा भाव के साथ शरबत पिलाया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षक कमलचंद बाजपेई, रमेश चंद्र बाजपेई, अध्यक्ष अरुण कुमार अस्थाना, उपाध्यक्ष गीता पांडे, महामंत्री रानी त्रिवेदी, मंत्री दीपक निगम, मनीष अस्थाना, पारस नाथ शुक्ला, संजय, ओम प्रकाश गुप्ता, टिंकू बाजपेई, अंजनी भक्त मंडल के मुखिया विक्रम अवस्थी, राजकमल सिंह, सतीश शर्मा आदि मौजूद हुए।

कुड़नी मार्ग पर ब्रिटिशकालीन पुल जल प्रवाह के चलते नहर में समाया

कानपुर। (आउटर)साढ़-कुड़नी मार्ग पर बरईगढ़ गांव के पास रामगंगा नहर पर बना पुराना पुल रविवार भोर में बीच से टूटकर नहर में गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय कोई मौजूद नहीं था।

ग्रामीणों ने नहर विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पुल की जर्जर हालत और नहर कटान के बावजूद समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं विभाग का कहना है कि अधिक जल प्रवाह के कारण पुल ढह गया।

निर्माणाधीन नए पुल से आवागमन शुरू करा दिया गया है, जल्द रेलिंग लगाने का दावा।जेई आशीष पाल ने बताया कि बरईगढ़ नहर पुल कई वर्ष पुराना था और अधिक जल प्रवाह के कारण क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। उन्होंने बताया कि पास में लोक निर्माण विभाग द्वारा नए पुल का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे आवागमन शुरू करा दिया गया।

उत्पीड़न के शिकार दिव्यांगों ने राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के शिविर में दर्ज कराई शिकायत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के उत्पीड़न निवारण शिविर में पीड़ित दिव्यांगों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस थानों में दिव्यांग उत्पीड़न की रिपोर्ट नहीं दर्ज की जाती है। थाना प्रभारियों को दिव्यांगजन अधिनियम 2016 की जानकारी ही नहीं है। यही वजह है की दिव्यांगजन अधिनियम की धाराओं में दिव्यांगजनों की रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाती है।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि पार्टी लंबे समय से दिव्यांगजन अधिनियम 2016 थाने स्तर पर लागू करने के लिए संघर्ष कर रही है। पीड़ित दिव्यांग राज्य आयुक्त, अपर आयुक्त, सहायक आयुक्त दिव्यांगजन के यहां अपने उत्पीड़न कि शिकायत करें। धरना प्रदर्शन व ज्ञापनों के माध्यम से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दिव्यांगजन अधिनियम 2016 लागू करने की मांग की जा चुकी है। लेकिन आज तक निचले स्तर पर ये लागू नहीं हो सका है।

कहा आज उत्पीड़न के जो मामले आये हैं। उन सभी मामलों को पुलिस आयुक्त को भेजकर कार्यवाही कि मांग कि जाएगी।

सभी मामलों में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कार्यवाही नहीं करते हैं तो 9 जून को कानपुर में मुख्यमंत्री आवास लखनऊ तक निकलने वाली शांन्ति मार्च पदयात्रा निकाल कर मुख्यमंत्री के सामने सभी मामलों को रख कर कार्यवाही कि मांग कि जाएगी। उत्पीड़न के शिकार आसमां बानों, उमाशंकर, अमित कुमार कनौजिया, भगवान दास, वैभव दीक्षित, सहित 14 दिव्यांगों ने अपनी शिकायत दर्ज करवाई। शिविर में जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, गौरव कुमार आदि शामिल थे।

डॉक्टर बनना था, पुड़िया मांगने लगा, नशा मुक्ति संगोष्ठी में मां का छलका दर्द

ज्योति बाबा ने दिलाई बचपन बचाने की शपथ

कानपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ज्योति बाबा का नशा मुक्ति परिवार आंदोलन के तहत सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व सूर्योदय फाउंडेशन प्रयागराज के तत्वाधान में क्या तंबाकू सिगरेट बच्चों का बचपन खत्म कर रहे हैं विषय पर राष्ट्रीय-ई संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए आंदोलन के प्रणेता श्री श्री ज्योति बाबा ने कहा कि तंबाकू अब सिर्फ लत नहीं बच्चों के बचपन की कब्र बन चुका है ज्योति बाबा ने चौंकाने वाले आंकड़े रखें। भारत में 13 से 15 साल के 14.6 प्रतिशत बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। स्कूल के गेट पर बिकती टॉफी के साथ कैंसर बिक रहा है इस सिगरेट ई-सिगरेट और फ्लेवर्ड हुक्का ने किशोरी को स्टाइल के नाम पर मौत का पहला कश लेना सिखा दिया है उन्होंने सवाल उठाया जिस उम्र में हाथ में किताब होनी चाहिए उस उम्र में हाथ में सिगरेट क्यों आ गई।

संगोष्ठी में सूर्योदय फाउंडेशन प्रयागराज के फाउंडर धीरेंद्र राय ने कहा कि तंबाकू से हर साल भारत में 13 लाख से अधिक मोते होती हैं और इसकी शुरुआत 70त्न मामलों में 18 साल से पहले हो जाती है।

वरिष्ठ समाजसेवी हिंदू जागरण मंच के प्रांत प्रमुख पियूष रंजन सनातनी ने कहा कि निकोटिन बच्चों का मानसिक विकास रोक देता है पढ़ाई से ध्यान भटकता है और अपराध की तरफ धकेलता है कार्यक्रम में नशा छोड़ चुके युवाओं और उनकी माता ने मंच से दर्द साझा किया, एक मां गीता देवी ने कहा जिस बेटे को डॉक्टर बनना था वह पुड़िया के लिए मेरे सामने हाथ फैलाता था। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय निदेशक एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड धारी योग गुरू ज्योति बाबा ने जनप्रिय कैबिनेट मिनिस्टर राकेश सचान जी को पगड़ी,अंग वस्त्र,माला पहनाने और प्रशस्ति पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश के बच्चों को तंबाकू के रोग से बचाने के लिए ज्योति बाबा जी द्वारा पिछले 35 वर्षों से निरंतर अभियान चलाया जा रहा है जो सराहनीय है और मैं इस पुनीत कार्य में हर स्तर पर सहयोग करूंगा। राष्ट्रीय अटल आरोग्य संघ के अध्यक्ष डॉक्टर अतुल कुमार मिश्रा ने संगोष्ठी में पांच सूत्रीय बचपन बचाओ संकल्प प्रस्तुत किया,-स्कूल कॉलेज के 500 मीटर दायरे में तंबाकू बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो,-अभिभावक हर सप्ताह बच्चों के बैग और संगत की जांच करें,-हर मोहल्ले में ज्योति बाबा का नशा मुक्ति परिवार आंदोलन समिति का गठन,-सरकार से मांग तंबाकू पर जानलेवा की बड़ी चेतावनी और प्लेन पैकेजिंग,- सोशल मीडिया पर मेरा बच्चा ज्योति बाबा का नशा मुक्ति परिवार आंदोलन।

ज्योति बाबा ने पत्रकारों से आवाहन किया कलम की स्याही से बच्चों का खून बचाइए,लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के सुशासन का सपना तभी पूरा होगा,जब हर घर नशा मुक्त होगा। सोता हुआ रामराज्य जगाने के लिए पहले बच्चों का बचपन जगाना होगा।

डॉक्टर सुलोचना दीक्षित व सुश्री गीता ने संयुक्त रूप से कहा कि हमें अपने घर, मोहल्ले,शहर को तंबाकू मुक्त बनाना ही होगा बच्चों को नशे की नहीं,संस्कारों की घुट्टी पिलानी होगी। अंत में श्री श्री ज्योति बाबा ने सभी को तंबाकू मुक्त बचपन बनाने की शपथ दिलाई।

फर्जी 'आरबीआई अधिकारी' बनकर ठगी करने वाला हाई-प्रोफाइल पति-पत्नी का गिरोह गिरफ्तार

सेंट्रल जोन साइबर सेल और नजीराबाद पुलिस की संयुक्त बड़ी कार्रवाई, फर्जी दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल बरामद

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। शहर में फर्जी अधिकारी बनकर भोले-भाले लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है सेंट्रल जोन की साइबर सेल और थाना नजीराबाद पुलिस ने एक संयुक्त और त्वरित कार्रवाई करते हुए फर्जी आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) अधिकारी बनकर लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले शातिर पति-पत्नी को गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने फर्जी दस्तावेज, सरकारी पत्र और ठगी में इस्तेमाल होने वाले कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं पुलिस के अनुसार, यह शातिर दंपत्ति बेहद शातिराना अंदाज में ठगी की वारदातों को अंजाम देता था आरोपी खुद को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का बड़ा अधिकारी बताते थे और लोगों को झांसे में लेने के लिए हूबहू असली दिखने वाले फर्जी सरकारी पत्र, आईडी कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार करते थे इन फर्जी कागजातों को दिखाकर वे लोगों को विश्वास में लेते थे और फिर निवेश या अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर मोटी रकम ऐंठ कर फरार हो जाते थे (सर्विलांस) की मदद से साइबर सेल और नजीराबाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा अमूमन इस तरह के मामलों में आरोपी पकड़े जाने से बचते हैं, लेकिन पुलिस की सतर्कता के आगे इनकी एक न चली तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से ठगी और डेटा स्टोर करने में इस्तेमाल होने वाला लैपटॉप, कई स्मार्टफोन जिनसे वे शिकार से संपर्क करते थे, भारी मात्रा में फर्जी पत्र (लेटरहेड्स) और जाली दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पुलिस अब इस बात का पता लगाने में जुटी है कि इस दंपत्ति ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है और इस धोखाधड़ी से कितने लाख या करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है पुलिस को अंदेशा है कि इस रैकेट के तार अन्य शहरों से भी जुड़े हो सकते हैं और बैंक के कुछ अंदरूनी सूत्र भी इनके मददगार हो सकते हैं प्रेस वार्ता के दौरान अतुल कुमार श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त कानपुर सेन्ट्रल जोन ने बताया कि सेंट्रल जोन की साइबर सेल और नजीराबाद पुलिस ने मिलकर एक सराहनीय कार्य किया है फर्जी आरबीआई अधिकारी बनकर लोगों के साथ धोखा-धड़ी करने वाले पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है इनके पास से लैपटॉप, मोबाइल और कई फर्जी दस्तावेज मिले हैं आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है और इनके पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

कानपुर सेंट्रल पर अकेली बैठी मिली दिल्ली की गुमशुदा बालिका

कानपुर। कानपुर सेंट्रल पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत दिल्ली से भागकर आई एक गुमशुदा बालिका को सकुशल बरामद कर उसकी माता और परिजनों के सुपुर्द कर दिया अपनी बच्ची को सही-सलामत वापस पाकर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए।जानकारी के अनुसार, दिनांक 26 मई 2026 को जीआरपी कानपुर सेंट्रल के प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, टिकट घर और यात्री प्रतीक्षालय में सघन चेकिंग अभियान चला रही थी इसी दौरान टीम को प्लेटफॉर्म नंबर 1/10 पर एक बालिका अत्यंत परेशान और अकेली बैठी हुई दिखाई दी संदेह होने पर महिला मुख्य आरक्षी (म0हे0का0) विपिन यादव ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए बालिका को अपने संरक्षण में लिया और सुरक्षा के लिहाज से उसे थाने के महिला हेल्प डेस्क पर बैठाया महिला पुलिस कर्मियों द्वारा जब बालिका को दुलार कर पूछताछ की गई, तो उसने अपना नाम बानो (काल्पनिक नाम) पुत्री मोहम्मद सलीम बताया वह दिल्ली के ए-62, पुनर्वास गौतम कॉलोनी, पश्चिमी दिल्ली की रहने वाली है।

बालिका ने रोते हुए बताया कि वह अपनी मां की डांट से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थी और ट्रेन पकड़कर कानपुर सेंट्रल पहुंच गई जीआरपी पुलिस ने बिना समय गंवाए उचित माध्यम से दिल्ली में

रह रही उसकी माता रूबीना को फोन पर पूरी बात की सूचना दी। बेटी के सकुशल मिलने की खबर पाते ही परिजन तुरंत दिल्ली से कानपुर के लिए रवाना हो गए थाना कार्यालय पहुंचे परिजनों की कानूनी लिखापढ़ी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद जीआरपी ने बालिका को उसकी मां रूबीना व अन्य रिश्तेदारों के सुपुर्द कर दिया।

परिजनों ने कानपुर जीआरपी पुलिस की इस त्वरित व सराहनीय कार्यप्रणाली की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए दिल से धन्यवाद दिया इस वाली टीम में निम्नलिखित पुलिसकर्मी शामिल रहे ओम नारायण सिंह प्रभारी निरीक्षक, थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल), व0उ0नि0 विनोद कुमार यादव थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल, उप-निरीक्षक जितेन्द्र मौर्य थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल, हेड कांस्टेबल रमेश सोनकर, हेड कांस्टेबल हरिपाल यादव, म0हे0का0 विपिन यादव जिन्होंने बच्ची को सबसे पहले संभाला।

जीआरपी, आरपीएफ को मिली बड़ी कामयाबी 80 लाख के गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

» उड़ीसा से लाकर पश्चिमी यूपी में खपाने की थी तैयारी, स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया से तड़के हुई गिरफ्तारी

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है टीम ने स्टेशन परिसर से दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बरामद गांजे की कीमत 80 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है।

स्टेशन पर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान, तड़के करीब 03¬45 बजे पुलिस टीम को कानपुर सेंट्रल के सर्कुलेटिंग एरिया में कैंट साइड गेट नंबर 02 के पास बने सार्वजनिक शौचालय के पीछे दो संदिग्ध युवक बैग लिए खड़े थे पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने आवश्यक बल प्रयोग कर उन्हें चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया पूछताछ में आरोपियों ने कुबूल किया कि वे यह अवैध गांजा उड़ीसा से ट्रेन के जरिए लेकर आए थे और इसे अलीगढ़ व मथुरा के इलाकों में सप्लाई करने के लिए आगे की ट्रेन का इंतजार कर रहे थे पुलिस ने इनके पास से 3 ट्रॉली बैग और 3 पिठ्ठू (बैकपैक) बैग बरामद किए हैं, जिनमें कुल 74 किलो 230 ग्राम अवैध गांजा भरा हुआ था।गिरफ्तार अभियुक्त प्रेम कुमार उम्र लगभग 21 वर्ष निवासी हसनपुर, तहसील माट, थाना नवझील, जिला मथुरा इसके पास से 1 ट्रॉली बैग और 2 पिठ्ठू बैग में 28 किलो 990 ग्राम गांजा मिला, सुभाष उम्र लगभग 22 वर्ष निवासी मानपुर, तहसील खैर, थाना टप्पल, जिला अलीगढ़ इसके पास से 2 ट्रॉली बैग और 1 पिठ्ठू बैग में 45 किलो 240 ग्राम गांजा मिला, जीआरपी कानपुर सेंट्रल थाना पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस आगे के नेटवर्क का पता लगाने के लिए इनसे गहन पूछताछ कर रही है।

इस बड़ी कामयाबी को अंजाम देने वाली टीम में जीआरपी कानपुर सेंट्रल के प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह, आरपीएफ पोस्ट प्रभारी सिद्धनाथ पाटीदार, उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव, मुकुंद लाल यादव, शिवबाबू यादव सहित हेड कांस्टेबल राज कमल वर्मा, रमेश सोनकर, हरिपाल यादव और कांस्टेबल कैलाश कुमार, सत्येन्द्र सिंह, दीपक कुमार, शिवेन्द्र कुमार शामिल रहे वहीं आरपीएफ टीम से एएसआई चन्द्र प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार गोड़ और कांस्टेबल अजीत, अमित, संतोष व राज कुमार यादव ने मुख्य भूमिका निभाई।

कल्याणपुर क्षेत्र के सैलून की दुकान में लगी आग

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। कल्याणपुर क्षेत्र में गुरूवार की सुबह एक सैलून की दुकान में आग लग गयी, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गयी। जब तक कोई कुछ समझ पाता आग ने पूरी दुकान को अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को आग लगने की सूचना दी।जानकारी के अनुसार थाना कल्याणपुर क्षेत्र के एक सैलून में आचानक धुंआ उठता देख लोगों ने दमकल विभाग और 112 नं0 डायल कर के सूचना दी। इससे पहले दमकल टीम वहां पहुंचती आग ने सैलून की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर दमकल की गाडी पहुंच गयी और दमकल कर्मचारियों द्वारा आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया।आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नही चल सका है। वहीं कल्याणपुर थाना प्रभारी रईस अहमद ने बताया कि सैलून की दुकान में आग लगने की सूचना है, आग का कारण शॉट शर्किट माना जा रहा है फिर भी जांच की जा रही है। दुकान में फर्नीचर, इलेक्ट्रिक सामान सहित सारी चीजे जल गयी है। दुकान मालिक स्मृति सिंह ने बताया कि बुधवार को रोज की तरह वह दुकान बंद कर आवास विकास-3 अपने निवास पर चले गये, उन्हे फोन पर दुकान में आग लगने की जानकारी हुई। बताया कि आग से उन्हे लाखों का नुकसान हो गया है।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।